श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 244, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 30 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।
क्रियायोग हं क्षं
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

राजस्थान में सीएम पर एक-दो दिन में फैसलाः केसी, एक बार फिर ऑब्जर्वर जयपुर जाएंगे, विधायक दल की बैठक होगी, इसके बाद निर्णय लिया जाएगा कि गहलोत सीएम होंगे या नही

गहलोत की कुर्सी पर लटकी तलवार!

नई दिल्ली/जयपुरः राजस्थान में मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला एक-दो दिन में हो जाएगा। दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद गुरुवार शाम कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से कहा- एक बार फिर ऑब्जर्वर जयपुर जाएंगे। विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी। इसके बाद निर्णय लिया जाएगा कि गहलोत सीएम होंगे या नहीं। इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सोनिया गांधी से करीब डेढ़ घंटे की मुलाकात हुई। मीटिंग के बाद गहलोत ने साफ कर दिया कि वे कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के साथ बैठकर मैंने बात की है। मैंने हमेशा वफादार सिपाही के रूप में काम किया है। विधायक दल की बैठक के दिन हुई घटना ने सबको हिलाकर रख दिया। ऐसा लगा जैसे कि मैं मुख्यमंत्री बना रहना चाहता हूं, इसलिए मैंने उनसे माफी मांगी है। गहलोत ने गुरुवार को सोनिया से मुलाकात के बाद मीडिया से कहा- 'हमारे यहां हमेशा से परंपरा रही है कि हम आलाकमान के लिए एक लाइन का प्रस्ताव पास करते हैं। मुख्यमंत्री होने के बावजूद मैं यह एक लाइन का प्रस्ताव पास नहीं करवा पाया, इस बात का दुख रहेगा। इस घटना ने देश के अंदर कई तरह के मैसेज दे दिए।' गहलोत जब सोनिया से मिलने जा रहे थे तो उनके हाथ में कुछ कागज थे। उसमें हाथ से लिखा हुआ माफीनामा था। यह कैमरे में कैद हो गया। इसमें हाथ से कुछ पॉइंट्स लिखे हुए थे। जिसमें सबसे ऊपर था 'जो कुछ हुआ उसका दुख है, इससे मैं बहुत आहत हूं'। इसके साथ ही तीसरे पॉइंट पर सचिन पायलट , सीपी जोशी सहित चार लोगों के नाम शॉर्ट फॉर्म में भी लिखे हुए थे। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राजस्थान उट विवाद के बीच दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को कहा कि वे अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। दिग्विजय दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैं यहां नामांकन फॉर्म लेने आया हूं और कल नामांकन करूंगा। इस बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भी दिल्ली पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि 1-2 दिन के अंदर राजस्थान का मामला सुलझ जाएगा। वेणुगोपाल ने सोनिया से मुलाकात के बाद यह बात कही।

अध्यक्ष पद की रेस से गहलोत आउट

नई दिल्लीः राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को एलान किया कि वह अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ बैठक के बाद कहा कि वे राजस्थान में हुए घटनाक्रम से दुखी हैं। गहलोत ने बताया कि उन्होंने इसके लिए सोनिया गांधी से माफी भी मांगी है। अशोक गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए खड़े न होने का एलान काफी मायने रखता है। दरअसल, अब तक कांग्रेस अध्यक्ष पद की लड़ाई को एकतरफा माना जा रहा था। जहां एक तरफ जबरदस्त राजनीतिक अनुभव और अपने पिटारे में सभी सियासी दांव-पेंच रखने वाले गहलोत थे, तो वहीं दूसरी तरफ राजनीति से ज्यादा राजनयिक जीवन का अनुभव रखने वाले शशि थरूर। लेकिन गहलोत के चुनाव न लड़ने के एलान के बाद अब कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए लड़ाई में नए समीकरण जुड़ गए हैं। कांग्रेस में आधिकारिक तौर पर अध्यक्ष पद के लिए खड़े होने का एलान सबसे पहले अशोक गहलोत की तरफ से किया गया था। इसके बाद से ही माना जा रहा था कि राजस्थान में अब मुख्यमंत्री पद सचिन पायलट को सौंप दिया जाएगा। गहलोत के समर्थक विधायकों ने इसके खिलाफ राजस्थान में बगावत कर दी और आलाकमान को साफ संदेश दे दिया कि वह पायलट को सीएम के तौर पर स्वीकार नहीं करेंगे।

विवाद सुलझाने के लिए दिल्ली पहुंचे गहलोत

राजस्थान में अशोक गहलोत समर्थक विधायकों के बागी तेवरों के बाद सोनिया गांधी पूरे घटनाक्रम पर नाराज हैं। विधायक दल की बैठक के बहिष्कार और गहलोत के समर्थक मंत्रियों के बयानों को ऑब्जवर्स की रिपोर्ट में हाईकमान के आदेशों का उल्लंघन और गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए नोटिस जारी किए थे। नोटिस जारी होने के बाद गहलोत ने भी पूरे मुद्दे पर सोनिया गांधी के सामने अपना पक्ष रखा।

गहलोत खेमा अब भी मुखर

गहलोत खेमा प्रभारी अजय माकन पर पक्षपात करने और सचिन पायलट को फेवर करने का खुलेआम आरोप लगा चुका है।

इसी बीच जयपुर में गहलोत गुट के मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि यदि दूसरे गुट के नेता को सीएम बनाया जाता है तो सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे।

गुजरात को पीएम मोदी का तोहफा

कई विकास कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

सूरतः सूरत में रोड शो के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। पीएम मोदी सूरत ने 2.7 किमी लंबा रोड शो किया और इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम ने सूरत के लोगों की मेहनत का जिक्र करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि यहां मेहनत करने वालों की बहुत कद्र होती है। सूरत के व्यापारी देश के करोड़ों लोगों को रोजगार दे रहे हैं।

सूरत ने सबसे तेज प्रगति कीः पीएम ने कहा, 'पिछले 20 वर्षों में सूरत ने बाकी शहरों की अपेक्षा तेजी से प्रगति की है। यह प्रसिद्धि आपकी मेहनत का ही प्रमाण है। यहां के नए ड्रेनेज सिस्टम ने शहर को नया जीवन दान दिया है। नई टेक्नोलॉजी से शहर को स्वच्छ करने में बहुत मदद मिली है। यहां झुग्गियों की संख्या में भी काफी कमी आई है। झुग्गी-बस्ती में रहने वाले करीब 80 हजार गरीब लोगों के लिए घर बनाए गए हैं। इससे इनके जीवन में सुधार आया है। डबल इंजन की सरकार बनने के बाद घर भी तेजी से बन रहे हैं और दूसरी अन्य सुविधाएं भी तेजी से मिलने लगी हैं।'

सूरत 4-पी का उदाहरण हैः उन्होंने कहा, 'डबल इंजन की सरकार बनने के बाद तो घर बनाने में भी तेजी आई है और सूरत के गरीबों, मिडिल क्लास को दूसरी सुविधाएं भी मिलने लगी हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश में अभी तक लगभग 4 करोड़ गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। इसमें से 32 लाख से अधिक मरीज गुजरात के हैं और लगभग सवा लाख सूरत से हैं। इसके अलावा छोटे-मोटे रोजगार करने वाले 35 लाख साथियों को बिना गारंटी के बैंकों से सस्ता लोन मिल चुका है। इस सदी के शुरूआती दशकों में जब दुनिया में 3-पीए यानी पब्लिक-प्राइवेट और पार्टनरशिप की चर्चा होती थी, तब मैं कहता था कि सूरत 4-पीर का उदाहरण है। 4-पी यानी कि पीपल, पब्लिक, प्राइवेट और पार्टनरशिप। यही मॉडल सूरत को विशेष बनाता है।'

वीजा मामले में भारत से भेदभाव कर रहा यूएस

वॉशिंगटनः भारतीयों को वर वीजा अपॉइंटमेंट मिलना बेहद मुश्किल हो गया है। दिल्ली में विजिटर वीजा का वेटिंग टाइम 833 दिन और मुंबई में 848 दिन हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि चीन में सिर्फ 2 दिन की वेटिंग है। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के सामने यह मुद्दा उठाया है।

कुछ महीनों में बेहतर होंगे हालातः जयशंकर 10 दिन के अमेरिकी दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की।

कार में 6 एयरबैग जरूरी करने का फैसला टला

नई दिल्लीः सरकार ने 8 सीट तक वाली एम1 कैटेगरी की कारों में 6 एयरबैग जरूरी करने के फैसले को एक साल के लिए टाल दिया है। यह फैसला 1 अक्टूबर 2022 से लागू होना था, लेकिन अब 1 अक्टूबर 2023 से लागू होगा। इसकी जानकारी ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर नितिन गडकरी ने गुरुवार को दी। उन्होंने कहा- ऑटो इंडस्ट्री फिलहाल ग्लोबल सप्लाई चेन से जुड़ी दिक्कतों का सामना कर रही है, इसी को ध्यान में रखते हुए इसे टाला गया है। गडकरी ने कार में 6 एयरबैग्स देने की योजना पर पिछले साल से ही काम करना शुरू कर दिया था। इससे पहले मंत्रालय ने 1 जुलाई 2019 से ड्राइवर एयरबैग और 1 जनवरी 2022 से फ्रंट पैसेंजर एयरबैग को मैंडेटरी किया था। अभी किसी भी कार के बेस वैरिएंट में 2 एयरबैग्स मिलते हैं। इसमें एक ड्राइवर और दूसरा फ्रंट पैसेंजर के लिए होता है।

30,000 रुपए तक बढ़ जाएगी

कार की कीमतः ऑटो एक्सपर्ट्स के मुताबिक एंट्री लेवल मॉडल में 6 एयरबैग से कार की कीमत करीब 30,000 रुपए बढ़ सकती है। पिछली सीट के पैसेंजर्स के लिए 4 एयरबैग्स जोड़ने में 8,000 से 9,000 रुपए का खर्च आ सकता है। एक एयरबैग की कीमत करीब 1,800 रुपए होती है। वहीं, स्ट्रक्चर में बदलाव करने में भी पैसे खर्च होंगे। डिवाइस और लेबर कॉस्ट भी बढ़ जाएगी।

कैसे काम करते हैं एयरबैग?- सामने से वाहन के टकराने पर एक सेकेंड से भी कम समय में एयरबैग खुलकर पैसेंजर के सिर और सीने को सुरक्षा देते हैं। इससे शरीर डैशबोर्ड से टकराने से बच जाता है। हां, एयरबैग आपको पूरी तरह सुरक्षा दे, इसके लिए सीट बेल्ट जरूर लगा होना चाहिए। यदि सीट बेल्ट नहीं लगाया है तो एयरबैग ही चोट पहुंचा देते हैं। गर्दन की हड्डी टूटने के साथ चेहरे पर चोट लगने की भी आशंका होती है।

झटकाः .टी-20 वर्ल्ड कप से बुमराह हुए बाहर

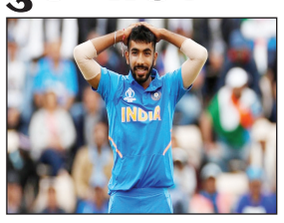

नई दिल्लीः को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण वर्ल्ड कप नहीं खेलेंगे। वो पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्हें ठीक होने में 4 से 6 महीने लगेंगे। बुधवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पहले टी-20 में भी वो टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने अभ्यास सत्र के दौरान पीठ दर्द की शिकायत की थी। जिसके बाद मेडिकल टीम के कहने पर उन्हें पहले टी-20 मैच से बाहर किया गया था। इसी चोट के कारण

उन्होंने एशिया कप भी नहीं खेला था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में हुई थी वापसीः जसप्रीत बुमराह पूरे एशिया कप से बाहर रहे थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीन मैचों की टी-20 सीरीज में उनकी वापसी हुई थी।

पत्नी जबरन संबंध बनाने से प्रेग्नेंट हुई तो गर्भपात की हकदार

सभी महिलाओं को गर्भपात का अधिकारः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गर्भपात पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अदालत ने सभी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार दे दिया, फिर चाहें वो विवाहित हों या अविवाहित। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत 22 से 24 हफ्ते तक गर्भपात का हक सभी को है। बेंच की अगुआई कर रहे जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये दकियानूसी धारणा है कि सिर्फ शादीशुदा महिलाएं ही सेक्शुअली एक्टिव रहती हैं। अबॉर्शन के अधिकार में महिला के विवाहित या

अविवाहित होने से फर्क नहीं पड़ता। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट में मैरिटल रेप को शामिल किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अगर जबरन सेक्स की वजह से पत्नी गर्भवती होती है तो उसे सेफ और लीगल अबॉर्शन का हक है। विवाहित महिला भी सेक्शुअल असॉल्ट और रेप सर्वाइवर्स के दायरे में आती है। रेप की सामान्य परिभाषा यह है कि किसी महिला के साथ उसकी सहमति के बिना या इच्छा के खिलाफ संबंध बनाया जाए। भले ही ऐसा मामला वैवाहिक बंधन के दौरान हुआ हो। एक महिला पति के द्वारा बनाए गए बिना सहमति के यौन संबंधों के चलते गर्भवती हो सकती है। अंतरंग साथी की हिंसा एक वास्तविकता है ।

बीजेपी अध्यक्ष केरल में दो शीर्ष कैथोलिक पादरियों से मिले, मुलाकात में नए संगठन पर हुई बात

केरलः लव जिहाद मुद्दे से ईसाइयों को साधने में जुटी बीजेपी

तिरुवनंतपुरमः केरल में भाजपा एक अलग रणनीति के साथ अपना मैदान तैयार करने में जुट गई है। हिंदू मतदाताओं को लुभाने के अलावा अब ईसाई धर्म के लोगों को भी साथ लाने की कवायद शुरू हो गई है। भाजपा यहां के ईसाई संगठनों के बीच इस्लामिक सोच के खिलाफ पनप रहे गुस्से का फायदा उठाना चाह रही है। हाल ही में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कोट्टयम जिले में जिला कार्यालय का उद्घाटन करने गए थे। इस दौरान उन्होंने कन्नाया कैथोलिक आर्कबिशप मैथ्यू मूलक्कट और चंगनस्सेरी के मेट्रोपॉलिटन आर्कबिशप मार जोसेफ पेरुमथोट्टम से मुलाकात की। ये दोनों केरल के शीर्ष

कैथोलिक पादरी माने जाते हैं।

नारकोटिक्स जिहाद भी निशाने परः राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस मीटिंग में एक सामाजिक-राजनीतिक संगठन खड़ा करने की बात कही गई। इसके जरिए चर्च और भाजपा के बीच की खाई को पाटा जा सकता है। भाजपा नेताओं का ये भी मानना है कि केरल में लव जिहाद के मुद्दे पर उसकी सोच वही है, जो ईसाई धर्म की है। कुछ पादरियों ने राज्य में मुसलमानों पर लव जिहाद और नारकोटिक्स जिहाद का आरोप भी लग रहे हैं।

लव जिहाद के खिलाफ उठा चुके हैं आवाजः थालास्सेरी आर्कबिशप जोसेफ पाम्पलानी ने सभी चर्चों में एक पत्र भेजा था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि कुछ चरमपंथी समूह ईसाई लड़कियों को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।

गोलियों से थर्राया बिहार, 5 की मौत

बालू माफिया के 2 गुटों में फायरिंग, 5 की मौत, मौके से डेढ़ सौ ज्यादा कारतूस के खोखे मिले

आरा/बिहटाः पटना और भोजपुर जिले के बॉर्डर पर बिहटा में गुरुवार को सोन नदी से अवैध तरीके से बालू निकालने को लेकर माफिया के दो गुटों में सैकड़ों राउंड फायरिंग हुई। इस गोलीबारी में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हुए हैं। फिलहाल एक शव मिला है, बाकी शवों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि बालू पर वर्चस्व को लेकर बालू माफिया के गुट बिहटा के अमनाबाद गांव आपस में भिड़ गए। बात बढ़ती गई और दोनों पक्षों में फायरिंग शुरू हो गई। घटना के बाद माफिया गुटों ने

सभी शवों को छुपाने की भी कोशिश की। दोनों जिलों की पुलिस मौके पर जांच कर रही है। मौके से डेढ़ सौ ज्यादा कारतूस के खोखे मिले हैं। सुबह करीब 10 बजे के आसपास दोनों पक्षों के बीच सैकड़ों राउंड देसी और विदेशी हथियारों से फायरिंग की गई।भोजपुर के एसपी संजय कुमार सिंह ने कहा कि गोलीबारी की सूचना मिली है। भोजपुर जिले पुलिस की तीन टीम बॉर्डर पर कैंप कर रही है।

खबर संक्षेप

गौकशी मामले में फरार चल रहे वांछित को पुलिस ने दबोचा

मऊआइमा। प्रतिबंध पशु की चोरी कर-के उसका वध कर दो सालों से फरार चल रहे वांछित अपराधी को मऊआइमा पुलिस ने दबोच कर जेल भेज दिया। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम चौहान का पूरा निवासी अवध बिहारी की गाय को 20 मई 2020को चोरी करके वध कर फरार चल रहे वांछित अपराधी मोहम्मद महताब पुत्र अच्छू मोहल्ला मुस्तफाबाद को मऊआइमा पुलिस ने लूट मार चौराहे से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

न्यायालय के आदेश पर मार पीट व छेडखानी का मुकदमा

मऊआइमा। महिला को मामूली बात को लेकर उसके घर में घुस कर महिला और उसकी देवरानी को निर्वस्त्र कर तोड फोड करने पर न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासनीय एक महिला का आरोप है कि 30 जून 2022को विपक्षी द्वारा रास्ते में पत्थर रखा गया था जब वह हटाने के लिए बोली तो उसके विपक्षी आमादा फसाद हो गए। महिला का आरोप है कि उसके घर में घुस कर गृहस्थी का सामान तोडा और मार पीट कर बेहोश कर दिए। आरोप है कि उसकी देवरानी को जमीन पर पटक कर निर्वस्त्र कर दिया गया और अश्लील हरकतें की गई। न्यायालय के आदेश पर अजय कुमार , खुशबू ,संगीता देवी ,उजाला देवी,अवधेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

संदिग्ध अवस्था में तालाब के पास मिला युवक का शव

नाक और कान से खून निकलने पर परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

तालाब के पास पड़ा संदिग्ध अवस्था में युवक का शव तथा शव को बाहर निकालने पर लगी लोगों की भीड़ व पुलिस

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। उतरांव थाना क्षेत्र के चका गांव में गुरुवार की शाम एक युवक का शव गांव के बाहर तालाब के पास मिला तो हड़कम्प मच गया। मृतक युवक के नाक और कान से खून बह रहा था। चका गांव निवासी हजारीलाल पासी खेती करते हैं। इनके तीन बेटों में सबसे छोटा बेटा सोनू 20 वर्ष गुरुवार को दोपहर खाना पीना खाकर घर से निकला। उसका शव शाम को गांव के बाहर एएनएम सेंटर के पास सुनसान स्थान पर एक तालाब में औधे मुंह पड़ी दिखी तो ग्रामीणों ने शोर मचाया। सूचना पर मौके पर ग्राम प्रधान सुनील पासी समेत भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। युवक के कान और नाक से खून का रिसाव देख परिजन घबराते हुए तत्काल उतरांव पुलिस को घटना से अवगत कराया। घटना की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष श्रवण कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारण का पता चलेगा। वहीं तालाब के पास 20 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैली हुई है। युवक अपनी मां और पिता के साथ गांव में रहता था। जबकि बड़े दो भाई परिवार सहित गोवा में रह रहे हैं। घटना की सूचना पर भाइयों में भी कोहराम मच गया। मृतक युवक तीन भाई दो बहनों में सबसे छोटा था उसका अभी विवाह नहीं हुआ था। मृतक युवक सोनू की मौत से माता फुलवंती देवी समेत परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

नदी में मिला लावारिस शव, हड़कंप

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा थाना क्षेत्र के बलुहा गांव के समीप नदी में एक युवक का शव उतराता पाया गया जिसे लेकर हड़कंप मच गया।मेजा थाना क्षेत्र के बलुहा गांव के समीप टोस नदी में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया?। बता दें कि गुरुवार सुबह मछुआरों के द्वारा नदी में जाल डाला गया था जब मछुआरे जाल निकालने पहुंचे तो उनके जाल में एक युवक जिसकी उम्र तकरीबन (24) के करीब थी का शव पाया गया शव को देख मछुआरों में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद रहे निषाद राज पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र निषाद ने मामले की जानकारी तत्काल पुलिस को दिया सूचना पर थाना प्रभारी मेजा धीरेंद्र सिंह तथा मेजारोड चौकी प्रभारी राम भवन वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर जांच में जुटे रहे लेकिन युवक के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम की तैयारी में जुटे रहे।

कवि की पत्नी के निधन पर कवि एवं कलाकारों में गहरा शोक

करछना। क्षेत्र के गधियांव गांव निवासी वरिष्ठ कवि राम लोचन सांवरिया की पत्नी सीता देवी 72 के निधन से कवि कलाकारों में गहरा शोक छाया है। बुधवार को डीहा गंगा घाट पर उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस मौके पर जागृति मिशन के संयोजक डॉ भगवत पाण्डेय समेत क्षेत्र के कई कवि,साहित्यकार,लोककलाकार, समाजसेवी और बड़ी संख्या में गांव के लोग मौजूद रहे।गुरुवार को रामपुर स्थित लोकमंगल संस्थान में आयोजित एक शोक सभा के दौरान उनकी सरलता मृदुभाषी और सादगी की प्रशंसा करते हुए सांवरिया के लोक जीवन में पत्नी के संकल्प,सहयोगऔर गृहस्थी के प्रति औरअधिक जिम्मेदारी को लेकर सभी ने सीता देवी के भूमिका की प्रशंसा की।दो मिनट का मौन रखते हुए दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शुक्ल, जमुनापार लोक कलाकार समिति के अध्यक्ष श्यामलाल बेगाना, रामबाबू यादव, कृष्ण कुमार सत्यार्थी सत्यवान, राम सुचित गोलू, मोनू मस्ताना, मोहिनी श्रीवास्तव, डॉ वीरेंद्र कुसुमाकर, सबरेज अहमद, संतोष शुक्ला समर्थ, अतुल तिवारी, वेद श्रीवास्तव, लालबाबू समेत कई कवि व कलाकार साहित्यकार समाजसेवी मौजूद रहे।

मऊआइमा में दिनदहाड़े कोआपरेटिव सचिव से लाखों की लूट का असफल प्रयास

अखंड भारत संदेश

बाइक पर खाद के बिक्री का नौ लाख तीन सौ रुपए एक चमडे के बैग में रख कर। बाइक की हैंडिल में फंसा कर मऊआइमा में पंजाब नेशनल बैंक में पैसा जमा करने आ रहे थे। जैसे वह जोगापुर ट्रैक्टर एजेंसी के पास स्थित तालाब के पास पहुंचे तभी एक बाइक पर दो सवार बदमाश पीछे से आए और सचिल की बाइक में झपट्टा मार कर चमडे का झोला छिनने लगे। परन्तु यशवंत सिंह ने झोला नहीं छोडा। जिससे वह जमीन पर गिर पडे तब यशवंत सिंह शोर मचाने लगे । शोर सुनकर आस पास के लोग दौडे जिन्हें देख कर बदमाश प्रतापगढ़ की ओर भाग गए। सचिव यशवंत सिंह को छिना झपटी में काफी चोटें आयी। ग्रामीणों के सहयोग के कारण नौ लाख तीन सौ लुटने से बच गया। यशवंत सिंह ने इसकी सूचना पुलिस और अपने मैनेजर को दी। यशवंत सिंह का उपचार करा कर थाने लाया गया। पुलिस यशवंत सिंह को लेकर घटना के आस पास लगे सीसी कैमरों की मदद से बदमाशों का शिनाख्त कराने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि लूट असफल प्रयास किया गया है फिर भी बदमाशों की शिनाख्त के लिए। सीसी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

मऊआइमा। मऊआइमा में दिन दहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने बैंक में पैसा जमा करने आ रहे कोआपरेटिव सचिव का रुपयों का बैग फोर लेन पर छीनने का असफल प्रयास किया। बदमाशों ने सचिव को जमीन पर गिरा दिए। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए और शोर मचाने पर आस पास के लोग दौड पडे जिन्हें देखकर बदमाश भाग निकले। जिससे बदमाश लूट में असफल रहे। पुलिस सीसी कैमरों की मदद से बदमाशों का पता लगा रही है। प्रयागराज के झूंसी के शेर डीह अंदावां निवासी यशवंत सिंह मऊआइमा के टीटी अब्दालपुर हरिसेनगंज सहकारी समिति के सचिव हैं। बताया गया है कि गुरूवार को दोपहर लगभग ढाई बजे सचिव एक

जमुनापार महोत्सव को लेकर 1 अक्टूबर को होगी बैठक

करछना। आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित 25वें जमुनापार महोत्सव के आयोजन को लेकर रामपुर स्थित लोक मंगल संस्थान में आगामी 1 अक्टूबर शनिवार को बैठक आयोजित की गई है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए संस्थान के संरक्षक और महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत अपनी माटी, परिपाटी, संस्कृति संस्कार, लोककला, लोक साहित्य और प्रतिभाओं को एक ही मंच पर संजोने की परंपरा में जहां जमुनापार के छात्र स्तरीय बच्चों के बीच लोक गायन, वाद विवाद, लोकनृत्य, निबंध भाषण, कविता रंगोली जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के अलावा सप्तदिवसीय महोत्सव में विविध संगोष्ठियों,के अलावा प्रतिदिन मुख्य रूप से रामकथा का आयोजन किया जाएगा। समापन दिवस पर विभूतियों के सम्मान औरअखिल भारतीय कवि सम्मेलन में मंच पर नामचीन प्रतिभाएं मौजूद रहेंगी।गठित समितियों के अपने कार्यो को संपादित करने और महोत्सव को सफल बनाने को लेकर उक्त बैठक में क्षेत्र के लोक कलाकारों, विद्वतजनों, समाजसेवियों और विविध क्षेत्र की प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया है।

बीमार भाई को देखने अस्पताल आई युवती का अज्ञात महिला द्वारा अपहरण की कोशिश

जसरा। घटना घूरपुर थाना क्षेत्र के नवीन मंडी स्थल जसरा सब्जी मंडी के बगल स्थित जोहरा हॉस्पिटल की है। जहां पर मेजा थाना क्षेत्र के एक गांव का व्यक्ति काफी बीमार होने के कारण बुधवार से जोहरा हॉस्पिटल में भर्ती था। व्यक्ति के साथ उसके माता पिता व छोटी बहन भी आई थी। रात्रि में हॉस्पिटल के सामने माता पिता के साथ युवती भी सो गयी। रात में बाथरूम के लिए युवती हॉस्पिटल में बने बाथरूम में गई और वहां से वापस नहीं आई। माता-पिता जब जागे और उसे न देखकर खोजने लगे लेकिन वह नहीं मिली। वहीं युवती द्वारा बताया गया कि वह जैसे ही बाथरूम से बाहर निकली कि एक महिला द्वारा उसे नशीला पदार्थ सुंघा कर बेहोश कर दिया गया और पीछे के दरवाजे से हॉस्पिटल के पीछे तरफ ले गई। उसके बाद उसे पता नहीं लगा कि वह जसरा स्टेशन के पास कैसे पहुंच गई। महिला के साथ अचेत अवस्था में युवती को देख स्टेशन के पास एक युवक ने देखा और आवाज दी आवाज सुन महिला युवती को छोड़कर वहां से भाग गई। वहीं युवक द्वारा युवती को हॉस्पिटल का रास्ता बता कर वह भी चला गया। जब युवती हॉस्पिटल पहुंचकर अपने माता पिता से मिली तो पूरी घटना बताई। जिसे माता पिता के द्वारा 112 फोन कर पुलिस को सूचना दी गई। मामला संदिग्ध होने के कारण 112 पुलिस ने तत्काल घूरपुर थाने को सूचित किया । सूचना पर घूरपुर प्रभारी द्वारा तत्काल गौहनिया चौकी स्थित चौकी प्रभारी ताराचंद को सूचना देकर जांच के आदेश दिए। वहीं चौकी प्रभारी द्वारा मौके पर ना जाकर सिपाहियों को भेजकर मौका मुआयना कर खानापूर्ति कराया गया लेकिन अभी तक घटना की सच्चाई के बारे में और अज्ञात महिला के बारे में पुलिस कोई भी छानबीन नहीं कर पाई।

न्यूज झरोखा

सभी लोग लगवाए कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज : राजेश्वरी तिवारी

रत्योरा। भारतीय जनता पार्टी जिला नेतृत्व प्रयागराज के आह्वान पर पूरे जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को लेकर चलाए जा रहे सेवा सप्ताह पखवाड़े के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कोरोना वैक्सीन की बुस्टर डोज लगवाने के लिए कैंप आयोजित किए गए। इसी क्रम में महिला मोर्चा यमुनापार प्रयागराज की जिलाध्यक्ष सविता शर्मा के निर्देशन में जिला मीडिया प्रभारी संतरा देवी निषाद के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव पर भी कोरोना की बुस्टर डोज के लिए कैंप आयोजित हुआ। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी प्रसाद तिवारी ने क्षेत्र के सभी लोगों से कोरोना वैक्सीन की बुस्टर डोज लगवाने की अपील की। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने कोरोना वैक्सीन की बुस्टर डोज लगवा कर दूसरों को लगवाने के लिए प्रेरित किया। कोबिड बुस्टर डोज टीकाकरण कैंप में जिला संयोजक बबुआन द्विवेदी, शशि द्विवेदी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ उमेश सहित कई स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा के छठे दिन लगाया गया मेगा कैंप

जसरा। गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन सेवा पखवाड़ा के तहत कोविड टीकाकरण का मेगा कैंप लगाया गया। कैम्प में लगभग 150 लोगों ने बूस्टर डोज लगवाया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रदेश मंत्री भाजपा सविता त्रिपाठी ने कहा कि आज देश लगभग कोरोना से मुक्त हो गया है। देश में 200 करोड़ से अधिक लोगों ने मुफ्त टीका लगवाया अब बूस्टर डोज भी लगवा रहें हैं। कार्यक्रम में मौजूद महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सविता मिश्रा ने प्रधानमंत्री जी के द्वारा लिए जा रहे फैसले को सही बताया। सीएचसी अधीक्षक डा० तरुण पाठक ने बूस्टर डोज के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने के लिए आशा बहुओं को कहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष जसरा जगत नारायण शुक्ला, जिलामंत्री कमलेश त्रिपाठी,पूनम मौर्य, शोभा द्विवेदी, गीता सिंह, वंदना सिंह, राजाबाबू पाठक, भूपेंद्र पाठक, नीरज केसरवानी, प्रयाग संगम सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधांशू मिश्रा, रावेंद्र तिवारी, निधीष पाठक, अर्जुन सत्तन निषाद, राकेश पाठक, रतन पासवान, अखिलेश द्विवेदी, बबिता सिंह, अक्षर केसरवानी, रिंकू सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नेवढ़िया 42 में भारतीय किसान संघ ने किया वृक्षारोपण

रत्योरा। विकास खंड मांडा के नेवढ़िया 42 गांव में भारतीय किसान संघ के काशी प्रांत के मंत्री भोला सिंह के अगुवाई में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान प्रांत मंत्री भोला सिंह ने कहा कि शुद्ध हवा व वातावरण तथा मानव जीवन को खुशहाल बनाने के लिए पेड़ बहुत उपयोगी हैं। इसलिए हर व्यक्ति को पेड़ लगाकर उनकी देखभाल व सेवा करनी चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रधान प्रतिनिधि देवी शंकर मिश्र, किसान संघ के ब्लाक मंत्री मांडा धर्मेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें भोला सिंह मुन्ना प्रांत मंत्री भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश काशी प्रांत ने अपनी गरिमामई उपस्थिति दर्ज करते हुए स्वयं वृक्षा रोपड़ कर कार्य क्रम को संपन्न बनाया। इस अवसर पर संजय कुमार मिश्र प्रधानाचार्य भूप नारायण इंटर कॉलेज मिश्रपुर, अनवर अली के साथ धीरज सागर जिला प्रचार प्रमुख भारतीय किसान संघ प्रयागराज, उमाकांत व अन्य कृषक उपस्थित रहे।

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने किया परिषदीय प्रधान अध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक

मऊआइमा। ममता सरकार खण्ड शिक्षा अधिकारी मऊआइमा ने परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/ इन्चार्ज प्रधानाध्यापिका की मासिक समीक्षा बैठक लिया। गुरुवार को मऊआइमा के खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में खण्ड शिक्षा अधिकारी ममता सरकार ने सभी विद्यालयों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, बच्चो को आधार सीडिंग,संचारी रोग नियंत्रण अभियान ,वार्षिक शिक्षण योजना, प्रिंट रिच सामग्री का उपयोग, आदि उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा किया। उन्होंने प्रत्येक बच्चे को समस्त योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश अपने शिक्षकों को दिया है।

ओम् जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी तुमको निशिदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी...

जंघई। नवरात्र के चौथे दिन गुरुवार को नव दुर्गा पूजा समिति चनेथू प्राथमिक विद्यालय पंडाल में मां के चौथे स्वरूप माता कूष्मांडा की पूजा भक्तों द्वारा की गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता कूष्मांडा ने ही ब्रहांड की रचना की थी इन्हें सृष्टि की आदि- स्वरूप, आदिशक्ति माना जाता है। मां कूष्मांडा सूर्यमंडल के भीतर के लोक में निवास करती हैं। मां के शरीर की कांति भी सूर्य के समान ही है और इनका तेज और प्रकाश से सभी दिशाएं प्रकाशित हो रही हैं मां कूष्मांडा की आठ भुजाएं हैं मां को अष्टभुजा देवी के नाम से भी जाना जाता है। इनके सात हाथों में क्रमशः कमंडल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा है आठवें हाथ में जपमाला है मां सिंह का सवारी करती हैं। आचार्य धरणीधर शुक्ला द्वारा विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण से सुबह-शाम पूजा अर्चना आरती कराई जा रही है इस अवसर पर हीरामनी शुक्ल, राजेंद्र शुक्ल आपरेटर, हरिश्चंद्र शुक्ल, विनय शुक्ला, राजेश मिश्रा, डिंपल शुक्ला, राजा शुक्ला, दयाशंकर मौर्य, शिवमणि शुक्ला, महेश त्रिपाठी, अभिषेक शुक्ला, अनुराग शुक्ला, अंबुज शुक्ला, अविनाश मिश्र, गौरव शुक्ला, युवराज शुक्ला, आदर्श शुक्ला, सूरज शुक्ला, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

श्री दुर्गा पूजा समिति देवबरा पिपरी पंडाल में पूजन अर्चन आरती जागरण का आयोजन

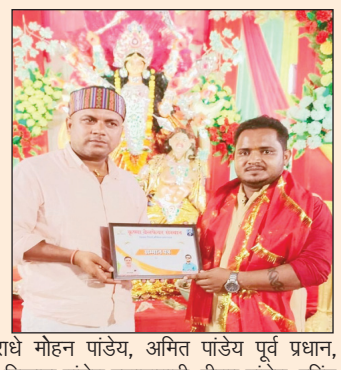

धनूपुर। नव दुर्गा पूजा समिति देवबरा पिपरी पंडाल में प्रतिदिन पूजन, अर्चन, आरती, भजन जागरण का कार्यक्रम चल रहा है। आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से विधिवत पूजा अर्चना कराई जा रही है जिसमें गांव क्षेत्र के भक्तों द्वारा पूजन अर्चन आरती किया जा रहा है। पंडाल में विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रतिदिन जागरण कार्यक्रम किया जा रहा है। नवरात्र में देवी गीत जागरण से पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर है।इस अवसर पर राधे मोहन पांडेय, अमित पांडेय पूर्व प्रधान, विजयमनि पांडेय, डॉ रविंद्र पांडेय, विकास पांडेय इलाहाबादी, पीयुष पांडेय, रविंद्र उपाध्याय, बबलू पांडेय, राहुल पांडेय, संदीप पांडेय, नमन शुक्ला, आशीष पांडेय, राजीव पांडेय, निखिल पांडेय, आदर्श पांडेय, दीपक उपाध्याय, हितेश पांडेय, आकाश उपाध्याय, अंकित पांडेय, दुर्गेश पांडेय, मोहन उपाध्याय, वेद पांडेय, विनायक पांडेय, देवांश पांडेय, यश पांडेय सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

बरियावां चौरा माई धाम में भक्तों द्वारा पूजन अर्चन आरती

जंघई। शारदीय नवरात्र में देवी मंदिरों एवं पंडालों में सुबह-शाम मां के दर्शन पूजन अर्चन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।नवयुवक ग्राम देवी चौरा मझियारी बरियांवा समिति के अध्यक्ष राजीव कुमार दुबे उर्फ मटरू प्रधान एवं राजीव कुमार दुबे ग्राम प्रधान एवं समिति अध्यक्ष, राकेश पाठक संरक्षक, जितेंद्र दुबे कोषाध्यक्ष, पंकज दुबे, वरुण कुमार दुबे सहायक अध्यापक, कमलापति त्रिपाठी एडवोकेट, विवेक पांडेय सहित तमाम ग्रामवासी पूजन अर्चन आरती में सुबह-शाम मौजूद रहते हैं।1 अक्टूबर को विशाल जागरण कार्यक्रम का आयोजन भी मंदिर प्रांगण में किया गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध महिला की हुई मौत

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पचदेवरा रेलवे क्रॉसिंग के पास दिल्ली हावड़ा रेल रूट मार्ग पर ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध महिला की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के कबरा गांव निवासी प्रशांत तिवारी की पत्नी अनारकली 60 वर्ष जो काफी दिनों से मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। परिजनों के मुताबिक बुधवार देर शाम को महिला घर से बाहर निकाली थी। लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन करना शुरू कर दिया किया लेकिन कहीं भी अता पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह के वक्त पचदेवरा रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थानीय लोगों ने एक महिला का शव रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत अवस्था में देखी गई। घटना के बाद धीरे धीरे स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना होने पर करछना पुलिस मौके पर पहुंची जहां उपस्थित लोगों से मृतक महिला का शिनाख्त कराया गया। उधर थोड़ी देर में जानकारी होने के महिला के परिजन भी मौके पर पहुंचे।वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया।

अस्थायी गोआश्रय का जिला विकास अधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

जसरा। मुख्य विकास अधिकारी शीपू गिरी औचक निरीक्षण करने अस्थायी गोआश्रय स्थल रेरा पहुंच गए। सीडीओ के पहुंचते ही वहां अफरा तफरी मच गई। गोआश्रय स्थल में कुल 124 गोवंश बाड़े के अन्दर पाये गए। जिसमें 39 नर और 85 मादा गोवंश रहे। सीडीओ ने गोवंशों के स्वास्थ्य के बारे में पशु चिकित्साधिकारी जसरा डा०सुनील कुमार मिश्र से पूंछतांछ किया। जिस पर बीओ ने बताया कि यहाँ पर उपस्थित समस्त गोवंशों को जानलेवा बीमारी लम्पी का टीकाकरण करा दिया गया है। सीडीओ ने भुसौला के खाली होने का कारण पूंछा। जिस पर ग्राम प्रधान महादेव और सचिव राजीव मिश्र ने बताया कि 6कुंतल उपलब्ध है। गुरुवार की शाम तक एक ट्रैक्टर भूसा और आ जायेगा। ग्राम प्रधान ने सीडीओ से बताया कि हरा चारा उपलब्ध नहीं है। परन्तु आने वाले सीजन में बरसीम लगाया जाएगा। निरीक्षण में गोवंश कमजोर मिले जिस पर सीडीओ ने ग्राम पंचायत अधिकारी व प्रधान को पौष्टिक चारा देने की बात कही। सीडीओ ने गोआश्रय स्थल से क्षेत्र पंचायत निधि से एक रोड और बनवाने की बात बीडीओ जसरा डा०सपना अवस्थी से कही। बीडीओ ने कार्य अतिशीघ्र शुरू कराने को कहा है। जिस पर सीडीओ ने नाराजगी ब्यक्त की और कार्य को अतिशीघ्र कराने को कहा। गोआश्रय स्थल भ्रमण के दौरान कम से कम 50 पौधे हाते के अन्दर लगवाने के लिए संबंधित सचिव को निर्देशित किया। कम्पोस्ट किट में उपलब्ध खाद को बेचकर गौशाला के लिए उपयोग करने का निर्देश दिया। वहीं आश्रय स्थल के अन्दर सिंचाई कराकर उसको हरा भरा करने का निर्देश सचिव और प्रधान को दिया। गोवंशो को तत्काल पौष्टिक राशन के साथ ही हरा चारा खिलाने को कहा है। वहीं पशु चिकित्साधिकारी जसरा को लगातार गोवंशों के स्वास्थ्य की देखभाल करने का निर्देश भी दिया। गौशाला से सीधे सीडीओ प्रयागराज का काफिला ग्राम पंचायत पचखरा में बने अमृत सरोवर को देखने पहुंच गए। अमृत सरोवर देखकर प्रधान प्रतिनिधि हीरामन सिंह की प्रसंशा किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख जसरा अजीत सिंह, एडीओपी श्यामलाल तिवारी,रमेश मालवीय सहित दर्जन भर ग्रामीण उपस्थित रहे।

भाषा एवं गणित में छात्रों के कौशल का होगा विकास : ओपी मिश्रा

निपुण भारत मिशन के तहत कौड़िहार बीआरसी में दूसरे बैच के प्रशिक्षण का हुआ समापन, दो बैच में विभाजित सौ प्रशिक्षणार्थियों को बीईओ ने दिया प्रमाण पत्र

कौड़िहार बीआरसी में प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र देते बीईओ ओम प्रकाश मिश्रा।

कौड़िहार बीआरसी में शिक्षकों के दूसरे बैच का प्रशिक्षण समाप्त होने पर एक साथ

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। भाषा और गणित के बुनियादी कौशल को विकसित करने के लिए शिक्षकों को ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। ताकि बेसिक स्कूलों में शिक्षा हासिल करने वाले नौनिहालों के प्रतिभा को निखारा जा सके। नन्हे मुन्ने बच्चों को खेलकूद और चित्र के माध्यम से रुचिकर शिक्षा दिए जाने के लिए ब्लॉक के शिक्षकों को अलग-अलग बैच में बांटकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निपुण भारत मिशन के तहत कौड़िहार बीआरसी में चार दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे बैच का समापन हुआ। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले कक्षा एक से तीन तक के छात्रों को भाषा एवं गणित में निपुण बनाने के लिए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कराना है। इसके लिए ब्लॉक के 50-50 शिक्षकों को दो बैच में विभाजित कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। टीएलएम निर्माण से लेकर ट्रैकर भरने तक के तमाम बारीक मुद्दों पर संदर्भ दाताओं ने शिक्षकों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए प्रशिक्षण दिया। बाह्य कक्ष में संदर्भ दाता एआरपी अजमल अमीन अंसारी एवं वंदना और हाल में संदर्भ दाता एआरपी प्रभाशंकर शर्मा एवं सत्यांजलि ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दरमियान एआरपी जय सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों के बीच पहुंच कर प्रशिक्षण की स्थिति परिस्थिति से अवगत होते रहे हैं। कौड़िहार खंड शिक्षाधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया था। वहीं चार दिन पूरे होने के उपरांत प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों से ब्लॉक को निपुण भारत बनाने का शपथ पत्र भी लिया। प्रशिक्षण में शामिल सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर उनका मनोबल बढाया।

खबर संक्षेप

पीडी परियोजना प्रयागराज ने अमृत सरोवर लखरांवा का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

करछना। विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत लखरावां मे पीडी परियोजना अधिकारी द्वारा गुरुवार को ग्राम पंचायत में नवनिर्मित अमृत सरोवर तालाब एवं जल निगम की पानी टंकी पाइप लाइन व अन्य कार्यों का अस्थलीन निरीक्षण किया उस दौरान उन्होंने अमृत सरोवर के चारों तरफ बैरिकेडिंग, गेट, लाइट बैठने के लिए सीट आदि का अवलोकन किया तथा गांव में पेयजल के लिए ग्रामीणों को सुविधा के लिहाज से नवनिर्मित पानी टंकी की पाइप लाइन विस्तार कार्यों का जायजा लेते हुए दिशा निर्देश दिया उनके साथ ग्राम प्रधान आशीष पांडे, रोजगार सेवक संघ अध्यक्ष विकास खंड करछना महेंद्र कुमार यादव पंचायत सचिव एवं अन्य ब्लॉक कर्मी मौजूद रहे।

फीस वृद्धि के मुद्दे पर वार्ता स्थगित होने पर भड़के छात्र, जमकर हंगामा व तोड़फोड़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में फीस वृद्धि के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को वार्ता से पहले सीनेट हॉल के बाहर जमकर हंगामा हुआ। छात्रों के एक गुट ने वहां रखे गमले तोड़ दिए, सुरक्षा कर्मियों से भिड़ गए और चीफ प्रॉक्टर को घेर लिया। पुलिस की सुरक्षा में चीफ प्रॉक्टर को बाहर निकाला गया और वार्ता स्थगित कर दी गई।कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने छात्रों से वार्ता के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है, इसमें इविवि और जिला प्रशासन के अफसरों को शामिल किया गया है। पहले बुधवार को वार्ता होनी थी, लेकिन छात्रों की ओर से भेजी गई लिस्ट में छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारी, पूर्व छात्र, निलंबित छात्रों के नाम भी शामिल थे, सो बृहस्पतिवार को वार्ता के लिए नई लिस्ट मांगी गई थी।छात्रसंघ संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से वार्ता के लिए 15 छात्रों की लिस्ट दी गई, जिनमें से आठ को वार्ता के लिए बुलाया गया। इस बार वार्ता के लिए उन्हें भी आमंत्रित किया गया, जिन्होंने इविवि की प्रवेश परीक्षा दी है और फीस वृद्धि से वे सीधे प्रभावित हो रहे हैं। वार्ता सीनेट हॉल में होनी थी। हालांकि, इससे पहले ही असंतुष्ट छात्रों का एक गुट वहां पहुंच गया, जिनमें ज्यादातर छात्र एबीवीपी के थे। वार्ता में शामिल न किए जाने पर उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने दरवाजे को धक्का देकर सीनेट हॉल के अंदर जाने की कोशिश की। इविवि के सुरक्षा कर्मियों ने रोका तो उनसे उलझ पड़े। सीनेट हॉल के बाहर रखे गमले तोड़ दिए गए। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों और पुलिस कर्मियों से धक्कामुक्की हुई। घटना के बाद दर्जनों छात्रों ने डीएसडब्ल्यू कार्यालय के बाहर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों और चीफ प्रॉक्टर प्रो. हर्ष कुमार को घेर लिया। पुलिस की सुरक्षा में चीफ प्रॉक्टर को जैसे-तैसे वहां से बाहर निकाला गया। हंगामा इतना बढ़ चुका था कि कमेटी को वार्ता स्थगित करनी पड़ी। ऐसे में फीस वृद्धि के मुद्दे पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। वहीं, छात्रसंघ भवन के सामने संयुक्त संघर्ष समिति का आमरण अनशन और डीएसडब्ल्यू कार्यालय के सामने एबीवीपी का पूर्णकालिक अनशन जारी है।

एबीवीपी ने कहा, सभी छात्र संगठन असंतुष्ट

एबीवीपी के प्रांत मंत्री अतेंद्र सिंह का कहना है कि वार्ता से बाहर किए जाने वाले असंतुष्ट छात्र नेताओं में एबीवीपी के साथ एनएसयूआई, समाजवादी छात्रसभा के कार्यकर्ता भी थे। सीनेट हॉल के बाहर सभी मौजूद थे। छात्रों ने कोई हंगामा नहीं किया, सिर्फ अपना विरोध दर्ज कराया। इविवि प्रशासन नहीं चाहता कि वार्ता में एबीवीपी के प्रमुख छात्र नेता शामिल हों। वैसे भी अब वार्ता की कोई जरूरत नहीं है। इविवि प्रशासन ने फीस बढ़ाने से पहले तो कोई वार्ता नहीं की थी। विश्वविद्यालय फीस वृद्धि वापस कर ले, आंदोलन स्वतः समाप्त हो जाएगा।

बिजली विभाग ने अभियान चलाकर की छापेमारी

मेजा। क्षेत्र के मेजारोड बाजार में बिजली विभाग की टीम ने अभियान चलाकर बकाया बिजली बिल व विद्युत चोरी के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 15 लोगों के कनेक्शन काटे गए। बिजली विभाग की इस कार्रवाई से बाजार में अफरा तफरी मची रही। बता दें कि गुरुवार को जेई रवि प्रताप सिंह, टीजीटू सतीश सिंह के नेतृत्व में अभियान चलाया। बाजार में विद्युत टीम के पहुंचने के बाद अवैध रूप से बिजली जला रहे व बकाया बिजली उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया । वही 15 लोगों के खिलाफ कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई। जेई रवि प्रताप सिंह ने बताया कि काफी लोगों के बिजली बिल बकाया थे जिसमें 15 लोगों के कनेक्शन काटा गया है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान भागीरथी, संजय गौतम, सुजीत पांडे, राम शिरोमणि, विनय कुमार, राजेंद्र कुमार,भाई लाल दाढ़ी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर आया फोन! चार घंटे में फटने वाला है बम, मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट पर बृहस्पतिवार को फोन कर सूचना दी गई कि वहां लगे एक्सरे के पास बम है जो चार घंटे में फटेगा। इसके बाद हरकत में आए एयरपोर्ट की सुरक्षा में जुड़े कर्मचारियों एवं यूपी पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। मौके पर बम स्क्वायड को भी बुलाया गया। इसे देख यात्री भी सकते में आए गए। हालांकि यह मॉक ड्रिल ही था, जो एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए था।प्रयागराज विमान पत्तन की ओर से हुए मॉक ड्रिल में शाम 4.50 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन इंडिगो की एयर लाइन के प्रतिनिधि के पास आया। इसमें बताया गया कि एक्सरे के पास बम है, जो चार घंटे में फटेगा। उसके बाद कंट्रोल रूम को यह सूचना कर्मचारियों ने दी। कुछ ही देर में सीएएसओ ने बम स्क्वॉयड को मौके पर बुला लिया। टर्मिनल भी यात्रियों को हटा दिया गया। सघन जांच के बाद वहां जांच की गई और बम स्क्वॉयड में उसको डिस्पोज कर दिया। इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन और पुलिस टीम के अफसरों की बैठक हुई। बैठक में मॉक ड्रिल का मूल्यांकन किया गया और सुझाव भी मांगे गए। इस अवसर पर एयरपोर्ट निदेशक आरआर पांडेय, अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर, सीएएसओ मनीष यादव, सीएसओ विजय मिश्रा, एसके सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

वांछित अभियुक्त को खीरी पुलिस ने किया गिरफ्तार, जेल

मेजा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पांडेय के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दिक्षित व क्षेत्राधिकारी मेजा विमल किशोर मिश्र के पर्यवेक्षण में खीरी थाना प्रभारी अनिल वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना खीरी में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 153/2021 धारा 8/2 एनडीपीएस एक्ट में वांछित अभियुक्त मनीष माझी पुत्र लक्ष्मण प्रसाद निवासी ग्राम डीही पटखा थाना खीरी जनपद प्रयागराज को कौंदी वैरियर के पास थाना क्षेत्र खीरी से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। *गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम* खीरी थाना प्रभारी अनिल वर्मा, हेड कांस्टेबल अबुल बरकात, हेड कांस्टेबल त्रिवेंद्र सिंह, कांस्टेबल कौशिकी यादव के सहयोग से वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करके जेल भेजने का काम किया।

संघन चेकिंग अभियान में संदिग्धों की पुलिस ने ली तलाशी

झूंसी। त्योहारी सीजन में जिले भर में चोरी, छिनैती व लूट की घटनाओं को देखते हुए पुलिस सतर्क है। गुरुवार की शाम झूंसी में पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान बाइक सवार व कार की चेकिंग की गई। चल रहे नवरात्र व रामलीला की वजह से क्षेत्र में काफी चहल-पहल का माहौल है। दुकानों पर भी खरीददारों की भारी भीड़ है। त्योहारी सीजन में कोई अप्रिय घटना ना घटे इसलिए इलाकाई पुलिस भी अलर्ट है। जिसकी वजह से पुलिस भीड़ भाड़ वाले इलाकों में गस्त के साथ चेकिंग कर रही है गुरुवार की शाम इंस्पेक्टर झूंसी वैभव सिंह के नेतृत्व में छतनाग चौकी इंचार्ज नवीन सिंह, एसआई धर्मेंद्र यादव फोर्स के साथ पुलिस बूथ, आवास विकास कॉलोनी के साथ भीड़भाड़ वाले इलाकों में संदिग्धों को रोककर उनकी तलाशी ली साथ ही बाइक व कार की भी चेकिंग की गई।

अपहरण और दुष्कर्म का अभियुक्त गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ पुलिस ने अपहरण और दुष्कर्म के अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थानाध?क्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर अपहरण और दुष्कर्म के मामले के अभियुक्त रजीउल्लाह उर्फ खुर्शीद को गिरफ्तार किया गया है। रजीउल्ला उर्फ खुर्शीद मूल रूप से कोरांव थाना क्षेत्र के बड़ोखर का रहने वाला है। आज उसे नारीबारी के टेंपो स्टैंड के पास से दबोचा गया। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर संतोष सिंह के साथ कांस्टेबल मनोज कुमार सिंह भी शामिल रहे।

एसपीओ प्रभारी अभय राज सिंह हुए सम्मानित

नैनी। टीम एसपीओ प्रभारी अपने और अपनी टीम के द्वारा किये गये प्रशासन को लगातार सहयोग से उत्तर प्रदेश पुलिस ने प्रभारी एसपीओ को एसपी जमुनापार श्रीमान सौरभ दीक्षित जी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एक औपचारिक मुलाकात टीम एसपीओ प्रभारी अपने अन्य अधिकारी उप प्रभारी परवेज अहमद , जनसम्पर्क अधिकारी शेख लियाकत अली, संगठन सचिव रविन्द्र सिंह, मीडिया प्रभारी विरेन्द्र पटेल, थाना प्रभारी कैकी सुल्तान के साथ की गई , मुलाकात के दौरान सौरभ दीक्षित जी ने कहा कि एसपीओ टीम इमानदारी एवं निष्ठापूर्वक कार्य कर रही है, जिसके लिये पूरी एसपीओ टीम को धन्यवाद दिया! और कहा कि जल्द ही एक मीटिंग रखी जाएगी जिसमें जमुनापार एसपी स्वय एसपीओ टीम के सभी आफीसरो से मुलाकात करेंगे ! इसके साथ ही कैफी सुल्तान को भी सम्मानित किया गया ! अन्त मे प्रभारी जीने एसपी जयुना पार को धन्यवाद दिया और कहा कि टीम के साथ हम हमेशा आपके आदेश का पालन करते है ! और आगे भी आपके आदेशनुसार हम कार्य करते रहेगे! और अपनी टीम के सभी एसपीओ टीम के सदस्यों को दिल से धन्यवाद दिया, जो हमेशा से समाज सेवा करते आए हैं।

फायर कर्मियों ने आग बुझाने की बताई विधि

घूरपुर। गुरुवार के दिन गीता ज्ञान मंदिर स्कूल (जी जी एम)गौहनियां मे फायरस्टेशन प्रभारी चंद्रकांत त्रिपाठी, ने बच्चों एवं अध्यापकों को बताया कि एलपीजी में प्रोपेन एवं ब्यूटेन एवं एथेन आदि गैसों का मिश्रण होता है ! किसी भी आग को भड़कने के लिए उसमें ऑक्सीजन उष्मा और ईंधन की आवश्यकता होती है इनमें से किसी एक को यदि हटा दिया जाए तो आग तुरंत बुझ जाएगी उन्होंने आग जलवा कर अग्निशमन यंत्र की सहायता से बच्चों एवं शिक्षकों को आग बुझाने का तरीका सिखाया, तथा इसके पश्चात , एलपीजी सिलेंडर एवं बिजली की शॉर्ट सर्किट से लगी आग को भी बुझाने के लिए मार्गदर्शन दिए उनके साथ उनके सहयोगी कांस्टेबल विशाल कुमार यादव जी ने भी , आग से बचने की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की । विद्यालय के शिक्षकों में विवेक कुमार, चंद्रमा प्रसाद ,अमित त्रिपाठी ,नरेंद्र यादव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे आग से बचने की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए, विद्यालय के प्रबंधक दिनेश प्रजापति ने फायर स्टेशन प्रभारी चंद्रकांत त्रिपाठी एवं सहयोगी कर्मी विशाल कुमार यादव जी को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

झगड़े की सूचना पर पहुंचे दरोगा पर किया हमला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । खुल्दाबाद के गाड़ीवान टोला में बुधवार की रात झगड़े की सूचना पर पहुंचे दरोगा प्रमोद कुमार पर एक युवक ने हमला कर दिया। दरोगा घायल हो गए। दरोगा के साथ गए सिपाहियों ने आरोपी युवक को दौड़ाया लेकिन वह भाग निकला। दरोगा की तहरीर पर युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। गाड़ीवान टोला के रहने वाले दो भाइयों सौरभ द्विवेदी और गौरव द्विवेदी के बीच बुधवार की रात झगड़ा हो गया। जब हाथापाई होने लगी तो बहन ने घबराकर कंट्रोल रूम को फोन कर दिया। पीआरवी 94 गाड़ी वहीं पास में मौजूद थी। कंट्रोल रूम की सूचना पर पीआरवी की फोर्स सौरभ के घर पहुंच गई। दरोगा प्रमोद कुमार गाड़ी से उतरे और घर की ओर बढ़े। अंदर सौरभ द्विवेदी ने पुलिस को देखा तो बौखला गया। उसने गेट पर ही प्रमोद कुमार पर हमला कर दिया। प्रमोद के चेहरे तथा शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। यह देखकर गाड़ी में मौजूद अन्य सिपाहियों ने सौरभ को दौड़ाया लेकिन वह गलियों में भाग निकला। लहूलुहान दरोगा प्रमोद कुमार को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। बृहस्पतिवार को प्राथमिक उपचार के बाद प्रमोद को घर भेज दिया गया। खुल्दाबाद थाना प्रभारी ने बताया कि दरोगा प्रमोद कुमार की तहरीर पर सौरभ द्विवेदी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उसकी तलाश की जा रही है। बुधवार की रात सौरभ कहीं से शराब पीकर घर आया था। वह घर वालों से ही लड़ने लगा था। इसी कारण उसकी बहन ने फोन कर पुलिस को बुलाया था।

लोक संस्कृति लोक भाषा एवं लोक कलाकारों के संरक्षण हेतु सबको आगे आना होगा : डा. केपी श्रीवास्तव

अखंड भारत संदेश

झूंसी। लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश) एवं गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान झूसी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में लोक आराधना के अंतर्गत प्रख्यात गायिका जया बोस पांडे द्वारा अवधी गीत एवं सृष्टि धर महतो झारखंड द्वारा छाऊ महिषासुर मर्दिनी नृत्य की शानदार प्रस्तुति हुई। गोविंद बल्लभ पंत संस्थान, झूंसी प्रयागराज के सभागार में उपस्थित दर्शक गण लोक आराधना के अंतर्गत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखकर झूम उठे। उक्त अवसर पर कार्यक्रम के पूर्व मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य डॉ. केपी श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोक संस्कृति लोक भाषा और लोक कलाकारों के संरक्षण हेतु हम सब को आगे आना होगा, अपनी संस्कृति और सभ्यता के अनुरूप यह लोक कलाएं भारतीय एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने में अपना अमूल्य योगदान देती हैं। मैं संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित एवं गोविंद बल्लभ पंत संस्थान के सहयोग की प्रशंसा करता हूं। कार्यक्रम का संचालन आभा श्रीवास्तव ने किया। गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान झूंसी प्रयागराज के निदेशक प्रोफेसर बद्री नारायण जी में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। जया पाण्डेय ने सर्वप्रथम दुर्गा सप्तशती का पाठ किया उसके पश्चात सुमिरे ला दुर्गा भवानी की प्रस्तुति की जिसको जनता ने बहुत सराहा इसके बाद चलो दिया बाहर आएं मैया चलो बार आए की सुमधुर प्रस्तुति की जया जी के साथ तबले पर संगत किया डॉक्टर विपुल पांडे ने एवं की कीबोर्ड पर वेंकटेश ने संगत किया। इस अवसर पर लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के निदेशक श्री अतुल द्विवेदी ने आये हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारी कोशिश है कि ग्रामीण अंचल और दूरदराज क्षेत्रों सहित प्रदेश के सभी जिलों में इन लोक कलाओं जनजाति कला को संरक्षित और समृद्ध किया जाए। कार्यक्रम में झूंसी क्षेत्र सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लोक आराधना कार्यक्रम में प्रख्यात गायिका जया पांडे का अवधी गीत एवं झारखंड का महिषासुर मर्दिनी कार्यक्रम को लोगों ने खूब सराहा

जेई और ग्रामीणों के विवाद को सुलह कराएं बड़े जनप्रतिनिधि : राव वीरेंद्र सिंह

अखंड भारत संदेश

समाजसेवी जनप्रतिनिधियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : पवन सिंघाल

रत्योरा। कोरांव क्षेत्र के कोसफरा गांव में बीते 24 सितंबर को विद्युत विच्छेदन करने गए बिजली विभाग के जेई व ग्रामीणों से हुई नोकझोंक व बवाल को लेकर अधिवक्ता प्रकोष्ठ ने बैठक कर निंदा की है। प्रकरण में राव वीरेन्द्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि कोसफरा गांव में विद्युत कर्मचारी व जनप्रतिनिधियों के बीच हुई तू तू मैं मैं का मामला इतना जटिल नहीं था की कानूनी कार्रवाई किया जाए, किंतु राजनीतिक दबाव के कारण क्षेत्र के बड़े प्रतिनिधियों ने हाथ सेका और पुलिस को एफ आई आर दर्ज करने का आदेश, एवम सिफारिश किया। इससे क्षेत्र का सौहार्द बिगड़ा है जो समाज में वातावरण प्रदूषित हो रहा है। अधिवक्ता राव वीरेंद्र सिंह ने बड़े जनप्रतिनिधियों एवं विभाग के अधिकारियों से आग्रह है किया है कि इस विवाद को आपसी सुलह समझौते से समाप्त किया जाए। अधिवक्ता प्रकोष्ठ के बैठक में अधिवक्ता अशोक कुमार विद्यार्थी, सुनील कुमार तिवारी, रमेश कुमार पाल एडवोकेट उपस्थित रहे। इसी प्रकार समाजसेवी पवन सिंघाल ने कहा है कि 24 सितंबर को विद्युत विभाग की टीम कोसफरा खुर्द में बिजली उपभोक्ता बकायेदारों के घर पहुंची और दबंगई तरीके से गरीबों का बिजली बिल की वसूली के नाम पर कनेक्शन काटने लगे। गांव के ही गुडाकेश नाम के व्यक्ति से कुछ बिजली विभाग के लोग झड़प करके उससे गाली गलौज करने लगे। उसी दौरान बगल के ही एक महिला के घर के भीतर लगे हुए मीटर को चेक करने के बहाने बिजली अधिकारी घर में घुस गए और महिला से बदसलूकी करने लगे। महिला ने मना किया कि हमारे घर में अभी कोई सदस्य नहीं है हम अकेले हैं हमारे पति के आने के बाद हम बिजली का बिल जमा करवा देंगे। लेकिन रंगीन मिजाज अधिकारी महिला के साथ यह कह कर छेड़खानी करने लगा कि हम तुम्हारा बिजली का बिल माफ कर देंगे। लेकिन तुम्हें हमारी बात को मानना होगा। यह देख बेसहारा महिला चिल्लाती हुई घर के बाहर निकली और शोर करने लगी तभी गांव के कुछ लोग आए और महिला का बचाव कर झड़प करने लगे। ईसी दौरान रोड से जा रहे जिला पंचायत सदस्य व एक अधिवक्ता भीड़ भाड़ देख कर रुक गए और बिजली अधिकारियों को ग्रामीणों की भीड़ से बाहर करने लगे आरोप है इसी दौरान बिजली अधिकारी जनप्रतिनिधि से हाथापाई करने लगे यह देख गांव वाले उसे घेर लिए तब तक एसडीओ कोरांव को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच गए और मामले को शांत कराते हुए बिजली अधिकारियों को लेकर चले गए इसके बाद बिजली विभाग के अधिकारी की ओर से मामला पंजीकृत कर लिया गया है। समाजसेवी पवन सिंघाल का कहना है कि अगर इस तरह से जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों पर इसी तरह कार्यवाही होगी तो उनकी मदद के लिए कौन खड़ा होगा।

संचारी रोग नियंत्रण दस्तक अभियान को लेकर ब्लॉक परिसर में हुई बैठक

रत्योरा। ब्लॉक परिसर कोरांव में खंड विकास अधिकारी मुकेश कुमार की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण दस्तक अभियान को लेकर यूनिसेफ के बीएमसी विनोद गिरी की मौजूदगी में ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में यूनिसेफ के बीएमसी विनोद गिरि ने संचारी रोगों से रोकथाम हेतु उपाय बताते हुए लोगों से संचारी रोगों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने की अपील की। इसी प्रकार बीडीओ मुकेश कुमार ने सभी ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं ग्राम विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक यह अभियान चलेगा। जिसके तहत गांवो में नालियों की साफ-सफाई कर मच्छर जनित बीमारियों को रोकने के लिए फांगिग एवम एंटी लारवा दवा का छिड़काव आदि कार्य कराए जाने हैं। इसी प्रकार गांवो में खुले में शौच न करने एवं नियमित शौचालय का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया गया। बीएमसी यूनिसेफ ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नियमित टीकाकरण के बारे में जानकारी देते हुए प्रत्येक बच्चों का टीकाकरण कराने की अपील की। उक्त बैठक में सहायक विकास अधिकारी पंचायत दिनेश चंद पाठक समेत ब्लॉक में कार्यरत सभी ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल यूपी बोर्ड वर्ष 2018 अनुक्रमांक 1857467 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है।

मुकेश कुमार पटेल पुत्र राजेश सिंह पटेल निवासी बुंदावा जसरा प्रयागराज।

परमात्मा परीक्षा से नहीं अपितु प्रतीक्षा से मिलते हैं : पं. निर्मल जी

अखंड भारत संदेश

पसना। प्रयागराज एवं मिजार्पुर जनपद की सीमा पर स्थित ड्रमंडगंज बाजार में दुर्गा उत्सव समिति के सौजन्य से चल रहे श्री राम कथा महोत्सव के द्वितीय दिवस महाराष्ट्र से पधारे हुए विद्वान मानस महारथी पं निर्मल कुमार शुक्ल ने विशाल श्रोता समूह को भाव विभोर करते हुए शिव सती चरित्र की मार्मिक व्याख्या करते हुए कहा कि परमात्मा परीक्षा का विषय नहीं है। परीक्षा समीक्षा तितिक्षा या दिदक्षा से नहीं बल्कि भगवान जब मिलेंगे तो केवल प्रतीक्षा से मिलेंगे।मानव को संसार की समीक्षा करना चाहिए अपने दोष गुंण की परीक्षा करना चाहिए और परमात्मा की प्रतीक्षा करना चाहिए। विद्वान वक्ता ने बताया कि राम कथा के पहले गोस्वामी तुलसीदास जी ने शिव कथा का वर्णन करते हुए सच्चे समन्वय वाद की स्थापना किया।भगवान शिव के चरित्र में अनुराग होना ही राम भक्त का परिचय है।आपने कहा कि सीता हरण के पश्चात जब भगवान राम-लक्ष्मण रोते हुए दंडकारण्य में भ्रमण कर रहे थे उसी समय भगवान शिव माता सती के साथ अगस्त आश्रम से राम कथा श्रवण कर-के कैलाश को ओर लौट रहे थे।सीता वियोग में राम-लक्ष्मण मृगों से पशु पक्षियों से गोदावरी नदी से नाग नागिनियों से सीता का पता पूंछ रहे हैं। संसार में साधारण मनुष्य भी लताओं वृक्षो तथा पशु पक्षियों से आज भी खोये हुए व्यक्ति का पता नहीं पूछता इसीलिए माता सती को मोह हो गया और उन्होंने राम लक्ष्मण को साधारण विक्षिप्त राज कुमार मान लिया।उधर भगवान शंकर इस घटना को राम की लीला समझ कर आनंद विभोर हो रहे थे ।वे राम लक्ष्मण को बार बार प्रणाम करने लगे सजल नैन होकर जै जै कार करने लगे। भगवान शिव की यह दशा देखकर सती माता आश्चर्य से भर गई पूछने पर भगवान शंकर ने राम का परिचय ब्रह्म रूप में दिया तब तो सती के आश्चर्य का ठिकाना ही न रहा वो कदापि यह मानने को तैयार नहीं हैं कि राम ईश्वर हैं।अंत में शंकर भगवान ने कहा कि अगर तुम्हें विश्वास नहीं है तो जाकर परीक्षा ले लो और माता सती चल पड़ी परीक्षा लेने। उधर भगवान राम ने सती को अपना विश्वरूप दर्शन कराया सती ने समस्त देवताओं को राम की सेवा में संलग्न देखा। अनंत लोकों में अनेकों शंकर ब्रह्मा विष्णु सती लक्ष्मी ब्रह्माणी आदि का दर्शन किया किन्तु हर जगह राम उसी रूप में दिखाई पड़े अंत में माता सती पश्चाताप करती हुई भगवान शिव के पास गई और उरसे झूठ बोल दिया कि मैंने राम की कोई परीक्षा नहीं लिया बल्कि आप जैसे ही प्रणाम किया। दिव्य दृष्टि से सब जान लेने के बाद भगवान शिव ने सती का त्याग कर दिया क्योंकि उन्होंने सीता का वेश बनाया था और सीता को भगवान शंकर अपनी माता और आराध्या मानते हैं।सती ने माता का वेश बनाया इसलिए उन्हें पत्नी स्वीकार नहीं किया जा सकता तथा माता भी नहीं मान सकते क्योंकि शरीर तो सती का ही है अंत में सती को जाकार पिता के यज्ञ में भस्म होना पड़ा तथा पुनर्जन्म लेकर जब हिमाचल कि कन्या बन कर पार्वती के रूप में आईं तब पुनः शंकर से मिलन संभव हो सका।यह कथा गंगा दुर्गा मंदिर परिसर में 4 अक्टूबर तक प्रवाहित होगी समिति के अध्यक्ष पप्पू केशरी तथा पिंटू केशरी सोनू केशरी अंकित केशरी ने सभी क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में पधार कर कथामृत पान करने का आग्रह किया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत पसना विकास खंड कोरांव जनपद प्रयागराज

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत पसना में पंचम राज वित्त 15 वा केंद्रीय वित्त आयोग एवं मनरेगा योजना के अंतर्गत नाली निर्माण, डब्ल्यूबीएम, सड़क निर्माण, खड़ंजा निर्माण, इंटरलॉकिंग, पुलिया निर्माण कार्य, ग्राम प्रधान व पंचायत सहायक का मानदेय, हैंडपंप मरम्मत, रिबोर, पानी टंकी, बाउंड्री वाल निर्माण कार्य, सुंदरीकरण, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, शौचालय, दिव्यांग शौचालय, एमडीएमसेड, अस्थाई गौशाला निर्माण, मिट्टी पटाई, निर्माण कार्य हेतु निविदा दिनांक 2 - 7 - 2022 से 8 - 7 - 2022 तक सीलबंद निविदा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 11 - 7 - 2022 को दोपहर 2 बजे तक उपस्थित सभी फर्मों के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जाएगी सभी फर्मों का जीएसटी नंबर होना अनिवार्य है। निविदा को स्वीकृत व अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत कार्यालय को होगा। ग्राम पंचायत में सामग्री की मात्रा प्राक्कलन के अनुसार पृथक पृथक होगी। निविदा वित्तीय वर्ष 2022 -23 में कराए जाने वाले सभी कार्यों हेतु प्रभावी होगी।

राधा देवी
प्रधान
ग्राम पंचायत पसना
विकास खंड कोरांव

अरविंद कुमार
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत पसना विकास
खंड कोरांव

अग्निकांड से फसल नुकसान पर विधायक ने सौपीं किसानों को सहायता चेक

मोना ने केंद्र सरकार से किसानों की फसल लागत में वृद्धि किये जाने पर दिया जोर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने गुरूवार को अग्निकांड से किसानों को फसल के नुकसान को लेकर एकमुश्त बडी सहायता राशि की चेक सौंपी। विधायक मोना के द्वारा क्षेत्र के कई गांवो में आकस्मिक आगजनी से गेहूं की फसल जल उठने से किसानों को सहायता के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा था। विधायक की संस्तुति पर शासन द्वारा मुख्यमंत्री खेत खलिहान अग्निकांड दुर्घटना सहायता योजना के तहत प्रभावित किसानो को आर्थिक सहायता मंजूर की गयी।

इसके तहत गुरूवार को नगर स्थित कैम्प कार्यालय पर विधायक आराधना मिश्रा ने इक्तालिस प्रभावित किसानो को शासकीय सहायता के चेक बांटे। विधायक द्वारा सात लाख रुपए से अधिक की स्वीकृत आर्थिक सहायता का चेक पाकर पीडित किसानों के चेहरे पर सकून देखा गया। उन्होने सहायता से अभी छूटे किसानों को भी सप्ताह भर के भीतर शासकीय मदद दिलाए जाने का भी भरोसा दिलाया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख अमित सिंह, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, ददन सिंह, भुवनेश्वर शुक्ल, राकेश चतुवेर्दी, भगवती प्रसाद तिवारी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, केडी मिश्र, कुंवर ज्ञानेन्द्र सिंह, राकेश सिंह, राजेन्द्र यादव, वीरेन्द्र वर्मा, संतराम वर्मा, संजय पाल, बृजेश सिंह, प्रीतेन्द्र ओझा, हृदय नारायण मिश्र, बृजेश द्विवेदी, श्रीधर तिवारी आदि रहे।

किसानों को चेक प्रदान करतीं विधायक आराधना मिश्रा मोना।

नौनिहालों को ज्ञानार्जन मे दक्षता निपुण भारत अभियान का ध्येय

लालगंज, प्रतापगढ़। निपुण भारत अभियान के तहत स्थानीय बीआरसी के ंद्र पर परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों को गुरूवार को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या तथा अक्षर ज्ञान की दक्षता पर सार्थक मंथन हुआ। प्रशिक्षक एआरपी जयप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि प्रशिक्षण का उददेश्य बाल वाटिका से कक्षा तीन तक के बच्चों को अक्षर तथा संख्या ज्ञान का बोध कराने में शिक्षकों की निपुणता को विकसित करना है। एआरपी राजेश कुमार ने कहा कि निपुण भारत अभियान के तहत प्रारंभिक शिक्षा की नींव को नौनिहालों मे व्यवहारिक ज्ञान का समावेश कराया जाना है। कार्यक्रम मे डा. रमेश एवं राजीव नाथ तथा अवनीश कुमार मिश्र ने भी प्रशिक्षण की विविधता पर प्रकाश डाला। प्रतिभागी प्रशिक्षार्थी के रूप में अध्यापिका शिखा शुक्ला, दीक्षा, उषा, कामना, अर्चना, साहिना, साधना, अंकिता, विद्यावती, रमेश तिवारी, ओमप्रकाश, विकास, लोकमणि, पूर्णिमा आदि ने प्रशिक्षण संवाद मे भाग लिया।

प्लास्टिक के विरुद्ध नगर पालिका द्वारा चलाये गये अभियान में दो किलो प्लास्टिक बरामद

आधा दर्जन ठेलेवालों से वसूला 2500 रुपये जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका बेल्हा ने आज गुरुवार को नगर में राजापाल की टंकी से श्रीराम तिराहा व सब्जी मण्डी में प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान चलाया जिसमें आधा दर्जन ठेलेवालों से दो किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। सभी आधा दर्जन ठेलेवालों से 2500 रुपये का जुमार्ना भी वसूला गया।

यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह व अधिषाषी अधिकारी मुदित सिंह के निर्देषन में गुरुवार को नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक लाल बहादुर सिंह व राजेष बिंद, मकन्द्रगंज पुलिस चौकी के मगन शर्मा व मिथिलेष के अलावा नगर पालिका की रोड गैंग दिन में लगभग एक बजे राजापाल टंकी पहुंची। वहां से श्रीराम तिराहे तक और फिर सब्जी मण्डी में आकर प्लास्टिक इस्तेमाल करने वालों से जुमार्ना वसूला गया। अधिषाषी अधिकारी मुदित सिंह ने बताया कि प्लास्टिक के विरोध में अभियान आगे भी चलाया जाएगा।

ठेलेवाले का चालान काटते नगर पालिका अधिकारी।

टीकाकरण प्रिकॉशन डोज का हुआ उद्घाटन

प्रिकॉशन डोज के दौरान मौजूद पूर्व सांसद रत्ना सिंह।

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। सीएचसी कालाकांकर में गुरुवार को कोविड 19 टीकाकरण प्रिकॉशन डोज महाअभियान का पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह ने उद्घाटन किया जिसका लक्ष्य प्रति ब्लाक में 3500 से 4500 रखा गया है। डॉ राजीव त्रिपाठी ने बताया कि वैक्सीन का डोज पूरा करने के लिए हम लोग प्रयास में लगे हुए। पूर्व सांसद ने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण का खतरा अभी भी बना हुआ है जिसको लेकर भाजपा सरकार स्वाथ्य विभाग को टीकाकरण पर जोर दे रही है। हम लोगों को भी चाहिये कि आस पास के लोगों को टीकाकरण के लिये प्रेरित करें। इस मौके पर सभी चिकित्सक कर्मचारी व आशा बहु मौजूद रही।

हिन्दी पखवारे के दिन एंजिल्स स्कूल में बही काव्य रसधारा

32 कवियों को आयोजिका ने किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर के एंजिल्स इंटर कालेज के प्रांगण में बुधवार की शाम हिन्दी दिवस के समापन के अवसर पर जिले व जिले के बाहर के कवियों ने देर रात तक काव्य रस की वर्षा की जिसमें जिले के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। बुधवार की शाम शुरू हुए कवि सम्मेलन में अध्यक्षता डॉ संगमलाल त्रिपाठी भँवर व संचालन बरिष्ठ कवि डॉ श्याम शंकर शुक्ला श्याम ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ दयाराम मौर्य रत्न रहे। अति विशिष्ट अतिथि डा.आर.के.सिंह, मानव तन मंदिर,एवं विशिष्ट अतिथि द्वय राजमूर्ति सिंह सौरभ एवं डॉ प्रदीप चित्रांशी प्रयागराज रहे। प्रतापगढ़ जनपद के बरिष्ठ शायर डा. आफताब मंच की शोभा बढ़ाते हुए उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण और मृदुल मिश्र की वाणी वंदना से हुआ। इस कार्यक्रम में गजेन्द्र सिंह विकट, अंजनी अमोघ, लालगंज, आचार्य अनीस देहाती, इं चन्द्रकांत त्रिपाठी चन्द्र, सुरेश नारायण दुबे व्योम, डॉ विनय कुमार श्रीवास्तव, अनूप प्रतापगढ़ी, डॉ श्रद्धा सिंह, अर्चना सिंह, नीलम शर्मा, आलम आजाद, श्रीगंगा प्रसाद भावुक, मो अनीस नाजिश, फैय्याज परवाना, शीतला प्रसाद सुजान, शेष नारायण दुबे आदि की कविताओं से खूब तालियां बंटोरी।

लगभग 32 कवियों/शायरों को आयोजिका डा0 शाहिदा ने माला, शाल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को चार चाँद लगाने के लिये सम्मानित अतिथिगण पत्रकार शैलेन्द्र मिश्र, पत्रकार ब्रजेश त्रिपाठी, पत्रकार अखिल नारायण सिंह, डी पी सिंह, डॉ बृजभान सिंह, उदयभान सिंह, अशोक आहूजा, अंजनी सिंह लेखपाल, अश्वनि केसरवानी, प्रदीप शुक्ला, विनोद मिश्रा और विद्यालय परिवार से आर के सिंह, आर के मिश्रा, अभिषेक सिंह, रवि सिंह, प्रवीण सिंह, पूनम श्रीवास्तव, शकुन्तला सिंह, चंचल पाण्डे आदि सभी स्टाफ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन करते हुए डॉ शाहिदा ने आए हुए सभी अतिथियों, कवि मनीषियों का हृदय तल की गहराइयों से आभार व्यक्त किया।

काव्य रसधारा कार्यक्रम में सम्मान पत्र के साथ कविगण।

हिन्दी पखवारा के तहत हुई निबंध प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। सक्षम फाउंडेशन एवं दिव्य ज्योति सेवा संस्थान प्रतापगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अवधेश पुरम् (ऐंठू) में हिन्दी पखवारा के अन्तिम दिन राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सक्षम फाउण्डेशन के अध्यक्ष डॉ रणजीत सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 14 सितम्बर, 1949 को देश की संविधान सभा ने सर्वसम्मति से हिन्दी को राजभाषा के रूप में अपनाया था और इसलिए प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस तथा 14-29 सितम्बर तक हिन्दी पखवारा मनाया जाता है।

इस अवसर पर निबन्ध प्रतियोगिता तथा पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एम. एम. पी. जी. कालेज कालाकांकर की छात्र-छात्रायें तथा अन्य इच्छुक व्यक्तियों ने भाग लिया। निबन्ध प्रतियोगिता में संदीप सिंह निवासी वैशन का पुरवा ने प्रथम रूपेन्द्र कुमार ने द्वितीय दीप्ति मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा पत्र लेखन में शिखा यादव ने प्रथम शिवम कुमार ने द्वितीय एवं शेर बहादुर सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ नवीन सिंह, डॉ अवधेश सिंह, श्री प्रदीप सिंह, प्रशांत उपाध्याय, विनोद चैरसिया, जुगुल किशोर, रविशंकर, अरूण शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

चौथे दिन मां कूष्माण्डा की आराधना में गूंजे भक्ति के स्वर, मगन श्रद्धालु

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नवरात्र में चैथे दिन देवी मंदिरों व पाण्डालों पर भक्तों को मां कूष्माण्डा के स्वरूप के पूजन अर्चन मे मगन देखा गया। देवी भक्त सुबह से ही मां दुर्गे के जयकारे के साथ मंदिरों में दर्शन पूजन को कतारबद्ध लालायित देखे गये। पौराणिक स्थली बाबा घुइसरनाथ धाम में मां दुर्गा का गुरूवार को हुआ भव्य श्रृंगार भक्तों की आंखो में रमा हुआ भी देखा गया। वहीं देवी धाम इनहन भवानी मे भी नवरात्र के चैथे दिन महिलाएं मां को चूनर तथा नारियल आदि अर्पित करते श्रद्धाभाव मे दिखी। पाण्डालों पर भी देवीभक्तों के दर्शन पूजन का सिलसिला दिन भर जारी दिखा। बुधवार की शाम नगर की बाजार में पाण्डालों पर देवी आरती की मनमोहक छटा को भी बडी संख्या मे ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र के श्रद्धालु निहारते दिखे। पाण्डालों पर बुधवार की शाम को जगह जगह देवीगीत की भी समा बंधी दिखी। नवरात्रि को लेकर घरों घरों मे भी देवी पाठ व कलश पूजन का आध्यात्मिक माहौल वैदिक मंत्रोच्चारण में गुंजायमान बना दिखा। पाण्डालों मे बीच बीच में गूंज रही शंखध्वनि तथा मंदिरों में घंटियो की घनघनाहट भी मां की आराधना को भक्तिमण्डली मे चार चांद लगाते दिखे। इधर नवरात्र को लेकर धार्मिक स्थलों तथा पूजा पाण्डालों पर अब श्रद्धालुओं की भीड़ भी बढने लगी है। एहतियातन बुधवार को पुलिस ने इंदिरा चैक तथा संगम चैराहे व घुइसरनाथ रोड पर बडी नहर के समीप पिकेट के जरिए वाहनों के चेकिंग अभियान को भी चलाया। पाण्डालों व मंदिरों पर पुलिस की तैनाती भी बढी देखी जा रही है।

परस्पर सौहार्द से शांति के वातावरण को मिला करती है मजबूती-सीओ

सलेम भदारी गांव में चौपाल में सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों को दी गई जागरूकता

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के सलेम भदारी गांव में बुधवार की शाम आयोजित चैपाल में सौहार्द तथा सुरक्षा पर ग्रामीणों को जागरूकता दी गयी। पुलिस उपाधीक्षक रामसूरत सोनकर ने चैपाल को संबोधित करते हुए कहा कि गांव की छोटी समस्याओं का समाधान समझौतों के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि परस्पर सौहार्द से शांति का वातावरण स्वतः मजबूत बना रहता है। सीओ ने महिला सुरक्षा को लेकर भी पुलिस एवं प्रशासन द्वारा नियंत्रण एवं सहायता के अभियान पर ग्रामीणों को विधिवत जानकारी दी। वही पुलिस तथा ग्रामीणों के बीच उन्होने चैपाल के माध्यम से परस्पर मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध पर जोर दिया। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने चैपाल के ध्येय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनता के सहयोग से अपराध नियंत्रण को कारगर बनाया जा सकता है। उन्होने लोगों से आवांछित तत्वों की गतिविधियों पर पुलिस को गोपनीय सूचना देकर शांति व्यवस्था के बाबत सहयोग मांगा। महिला आरक्षी प्रीती तथा रीना ने महिलाओं व बालिकाओं को सतर्कता के गुर बताये। चैपाल का संयोजन ग्राम प्रधान मो. जावेद ने किया। इस मौके पर संजय उपाध्याय, राजेन्द्र तिवारी, कमरूनिशा, मो. अंसार, गुलाम अहमद, राजा पठान, ननके वर्मा, मुकेश तिवारी, संदीप केसरवानी, कलाभदारी प्रधान ओमप्रकाश वर्मा आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों को निपुण भारत मिशन के तहत दिया गया प्रशिक्षण

मदाफरपुर ब्लाक संसाधन केंद्र पर हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक माहौल सृजित करने और बच्चों को आसान तरीके से शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निपुण भारत मिशन का प्रशिक्षण जारी है। पट्टी तहसील क्षेत्र के मंगरौरा विकासखंड अंतर्गत मदाफरपुर ब्लॉक संसाधन केंद्र पर निपुण भारत योजना के तहत प्रशिक्षण में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र पर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

ब्लॉक संसाधन केंद्र मदाफरपुर में प्रतिदिन निपुण भारत मिशन के तहत शिक्षकों को प्रशिक्षण खण्ड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षक रामेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि निपुण भारत मिशन भारत सरकार का महत्वाकांक्षी अभियान है। शिक्षकों को निर्धारित कार्यक्रम के कालांश के हिसाब से प्रतिदिन बच्चों को पढ़ाना है। बीआरसी केंद्र पर खंड शिक्षा अधिकारी हिना सिद्दीकी के निर्देशन में चल रहे प्रशिक्षण में प्रतिदिन 100 शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। हर एक शिक्षक को चार दिन तक प्रशिक्षण प्राप्त करना है। इसके तहत बेसिक शिक्षा में प्रत्येक कक्षा के पठन के लक्ष्य को निर्धारित किया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी हिना सिद्दीकी ने कहा कि शिक्षकों और शिक्षामित्रों के लिए प्रशिक्षण बहुत ही आवश्यक है। शिक्षक शिक्षण की नई तकनीक को समझ कर के अपने कार्य व्यवहार में प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मंगरौरा ब्लॉक में कुल 435 शिक्षक हैं जिन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार को तीसरे राउंड के दूसरे दिन भी शिक्षण तकनीक की बारीकियों के बारे में एआरपी रामेंद्र सिंह, श्रीपति शुक्ला, अभिषेक सिंह, अमित पांडे एवं राकेश कुमार ने प्रशिक्षण दिया। मुख्य रूप से संदीप तिवारी राज किशोर मिश्रा, नंदलाल, साधना सिंह, अजय तिवारी, मोनिका सिंह, शिव शंकर, लाल बहादुर वर्मा, रागिनी सिंह गंगा प्रसाद तिवारी सहित सभी प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

भगवान राम और माता सीता की लीला की निकली झांकी

माता सीता की फुलवारी लीला देख नगरवासी हुए मंत्रमुग्ध

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री रामलीला समिति प्रतापगढ़ द्वारा आज फुलवारी लीला, धनुष यज्ञ की झांकी निकाली गई। झांकी में माता सीता सखियों संग फूल लेने गई थी वहां पर प्रभु राम जी मुनि विश्वामित्र के पूजन के लिए फूल लेने गए थे। वहां पर माता सीता प्रभु राम के मिलन का दृश्य दिखाया गया था।

दूसरी झांकी में धनुष यज्ञ की झांकी निकाली गई थी। झांकी आज गोपाल मंदिर से होकर चैक होते हुए भगवा चुंगी से अंबेडकर चैराहा होते हुए गोपाल मंदिर पर आकर विश्राम हुई। माता सीता फुलवारी लीला की झांकी देखने के लिए नगर वासियों में गजब का उत्साह था। जगह-जगह भक्तों की भीड़ दर्शन करने को आतुर थी। इस अवसर पर संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल, संयोजक दिनेश सिंह दिन्नू, मंत्री विपिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता, शिवम, बंटी नेता, विष्णु सोनी, सूरज, धर्मेंद्र सिंह, छेदीलाल, संतोष कुमार, देवानंद, रोहित राज, धर्मेंद्र चैरसिया, विवेक कुमार आदि रथ के साथ चल रहे थे।

माता सीता की लीला का मंचन करते कलाकार।

व्यापारियों के साथ हो रही घटनाओं से चिंतित व्यापार मण्डल ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही किये जाने की मांग

एसपी को ज्ञापन देते व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले में व्यापारियों के साथ बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को लेकर आज व्यापार मण्डल का एक प्रतिनिधिमण्डल पुलिस अधीक्षक से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में एक-एक घटना का जिक्र कर उन पर कड़ी कार्यवाही की मांग की गई है।

जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी ने एसपी को बताया कि आपके कार्यकाल में अपराधियों पर अंकुष लगा है जिससे घटनाएं रुक गई थी लेकिन इन दिनों घटनाएं फिर बढ़ गई है। इस पर विषेष ध्यान देने की आवष्यकता है।

उन्होंने बताया कि पट्टी व अमरगढ़ क्षेत्र में हो रही व्यापारी से शराब व रुपये की मांग पूरी न किये जाने पर दबंगों द्वारा मारपीट करने के विरोध में इस क्षेत्र के व्यापारी आक्रोषित हैं। रानीगंज थाना क्षेत्र के मखंचू कबाड़ी से बदमाशों द्वारा 30 लाख की रंगदारी की गई थी और न देने पर हत्या की धमकी दी गई है। लालगंज क्षेत्र में हुई घटना का आज तक खुलासा नहीं हुआ। इन घटनाओं से व्यापारी डरे हुए हैं। पुलिस अधीक्षक से कार्यवाही की मांग की गई है। प्रतिनिधिमण्डल में जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी के अलावा जिला युवा अध्यक्ष सुनील जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष लखन लाल केसरवानी, सुरेष चंद्र केसरवानी, राजेन्द्र प्रताप चैरसिया, अरविन्द सोनी, अजय किषोर तिवारी, कृष्ण कुमार बच्चा, शैलेन्द्र जायसवाल आदि रहे।

पांच नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास तथा बलवा का केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने पांच नामजद तथा दो अज्ञात आरोपियो के खिलाफ जमीनी विवाद को लेकर हत्या के प्रयास तथा घर मे घुसकर मारपीट व तोडफोड एवं बलवा जैसी गंभीर धाराओं मे बुधवार की रात केस दर्ज किया है। कोतवाली के खजुरी निवासी किशन कुमार यादव पुत्र स्व0 तुलसीराम ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती छब्बीस सितंबर को शाम चार बजे जमीनी विवाद को लेकर गांव के विपक्षियों ने जानलेवा हमला बोल दिया। आरोपी पृथ्वीपाल यादव पुत्र रामसुख, राजेन्द्र यादव पुत्र पृथ्वीपाल, अमरावती पत्नी पृथ्वीपाल, अंतिमा पुत्री पृथ्वीपाल व राजेन्द्र की पत्नी लाठी डंडे तथा लोहे की राड से लैस होकर दो अज्ञात लोगों के साथ उसके दरवाजे आ धमके। आरोपी जमीनी विवाद को लेकर गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपी घर मे घुस गये और लाठी डंडे तथा लोहे की राड से हमलावर हो उठे। हमले में पीडित के भाई सुशील के सिर पर गंभीर चोंटे आ गयी। जिससे सुशील बेहोश हो गया। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते घरेलू सामान मे तोडफोड करने लगे। पुलिस ने घायलो का स्थानीय ट्रामा सेंटर में इलाज करवाया।

डम्फर की टक्कर से बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत, घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। बाइक से ससुराल जा रहे युवक की डम्फर की चपेट में आने से गम्भीर रूप से घायल हो गया उपचार के दौरान मौत की खबर मिलते ही परिजनों मे कोहराम मच गया। बताया जाता है कि जनपद रायबरेली के ऊँचाहार थाना क्षेत्र के सादिक बाजार (अरखा) निवासी अमित पुत्र जगदीश प्रसाद (30) वर्षीय बुधवार की रात लगभग साढ़े आठ बजे बाइक से अपनी ससुराल तिवारीपुर (मानिकपुर) जा रहा था।

इसी बीच प्रयागराज लखनऊ नेशनल हाइवे पर बने नवाबगंज थाना क्षेत्र के जगरूपनगर में सामने से आ रही डम्फर ट्रक जोरदार टक्कर मारते हुए फरार हो गया। सड़क पर खून से लथ पथ पड़े अमित पर जब लोगो की नजर पड़ी तो सभी दौड़ पड़े। बगल में थाना के सिपाही भी दौड़ पड़े तब तक डम्फर आँखों से ओझल हो गया। पुलिस ने घायल अवस्था मे अमित को उपचार के लिए सीएचसी कालाकांकर ले गई जहां परिजनों के कहने पर जिला अस्पताल रायबरेली के लिए रिफर कर दिया, जहां चिकित्सकों ने अमित को मृत घोषित कर दिया जिससे परिजनों में चीख पुकार मच गई। मृतक के परिजनों ने अज्ञात डम्फर चालक के खिलाफ नवाबगंज पुलिस को तहरीर दिया पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया।

खबर संक्षेप

अदालत लाते समय अभियुक्त हो गया फरार

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के एक वारंटी को पुलिस गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने जा रही थी लेकिन अदालत पहुंचने के पूर्व पुलिस को चकमा देकर वारंटी फरार हो गया है बताया जाता है कि चरवा थाना क्षेत्र के सुधवर गांव निवासी शिवानंद पांडेय के विरुद्ध अदालत ने वारंट जारी किया था जिसे चरवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और पुलिस अभिरक्षा में वारंटी को अदालत भेज रही थी लेकिन रास्ते में पुलिस को चकमा देकर वारंटी फरार हो गया है जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है फरार वारंटी की पुलिस तलाश तलाश कर रही है।

सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ

इमामगंज कौशाम्बी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज में डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक प्रयागराज कौशाम्बी के चेयरमैन शिवमोहन मौर्य ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कोविड टीकाकरण स्टॉल का फीता काटकर शुभारंभ किया इस अवसर पर चिकित्सा फार्मासिस्ट के साथ-साथ श्रीमती सोनिया राजपूत श्रीमती कविता केशरवानी जिला महामंत्री दीपचंद्र दिवाकर आदि लोग उपस्थित रहे।

उपनिबंधक कार्यालय में अधिवक्ताओं ने जड़ा ताला

धरना-प्रदर्शन 16वां दिन : नेताओं के बेरुखी का खामियाजा आने वाले लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दल को पड़ेगा भुगतना

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सर्किल रेट मनमानी तरीके से बढ़ाए जाने के चलते बीते 16 दिन से अधिवक्ता हड़ताल पर हैं धरना प्रदर्शन कर वह अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं लेकिन सर्किल रेट कम करने को कोई अधिकारी तैयार नहीं है जिससे आक्रोशित अधिवक्ताओं ने सिराथू तहसील में बुधवार को प्रदर्शन कर उप निबंधक कार्यालय में ताला लगा दिया है अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते न्यायिक कार्य बाधित है और गांव क्षेत्र से न्याय पाने की उम्मीद से आने वाली जनता को वापस लौटना पड़ रहा है आम जनता का कहना है कि आखिर कब तक अधिकारी अपनी जिद पर अड़े रहेंगे आम जनता की पीड़ा को हरने का दम भरने वाले सांसद विधायक वा जनता के दुख दर्द पर लंबी चौड़ी डींग हाँककर भाषण देने वाले नेता भी अधिकारियों की तानाशाही पाए चुप्पी साध कर बैठ गए हैं जिसका हिसाब आने वाले लोकसभा चुनाव में आम जनता इन नेताओं से लेने की योजना बनाने लगी है सर्किल रेट कम करने को लेकर 16 दिन से चल रहे अधिवक्ताओं के इस आंदोलन में जनता के हिमायती बनने वाले नेता तो इस तरह से

उपनिबंधक कार्यालय सिराथू में तालाबंदी करते अधिवक्ता

गायब हो गए हैं जैसे उन्हें जिला और क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी ही नहीं है लेकिन नेताओं के इस बेरुखी का खामियाजा आने वाले समय में विभिन्न राजनीतिक दल को भुगतना पड़ेगा। बीते कई दिनों से तहसील के अधिवक्ता हड़ताल कर रहे हैं लेकिन अधिकारी अपनी जिद पर आ गए हैं जिससे न्याय के लिए तहसील पहुंचने वाले फरियादी परेशान हैं बुधवार को फिर तहसील के अधिवक्ताओं ने स्टाम्प शुल्क और सर्किल रेट में बेहिसाब बढ़ोतरी के मामले के विरोध में 16 वे दिन लगातार प्रदर्शन कर विरोध प्रकट किया है स्टांप शुल्क में मनमानी तरीके से सर्किल रेट बढ़ाए जाने से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने उपनिबंधक सिराथू कार्यालय में ताला लगाया जिससे उपनिबंधक कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल मचा रहा।

गैंगेस्टर एक्ट के दो आरोपियों की सम्पत्ति हुई कुर्क

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों को विरुद्ध चलाए गए अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी मंझनपुर के कुशल निर्देशन में थाना करारी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 29/22 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना करारी की विवेचना प्रभारी निरीक्षक थाना मंझनपुर द्वारा सम्पादित की जा रही हैं, विवेचना के क्रम में मुकदमा उक्त में अभियुक्त बाबा अजमल शाह पुत्र असलम निवासी सालेपुर थाना करारी व लवलेश कुमार उर्फ देवमूरत पुत्र स्व0रामसिंह निवासी छोटी गौहानी थाना करारी की संपत्ति को पुलिस ने कुर्क किया है इन पर आरोप है कि इन्होने अवैध धन से अर्जित कर चल/अचल सम्पत्ति बनाई है जिलाधिकारी के आदेशानुसार अन्तर्गत धारा 14(1) गैंगस्टर अधिनियम में क्रमशः वाद संख्या 26/2022 व वाद संख्या 25/2022 में अभियुक्तगणों के नाम से चल/अचल सम्पत्ति को पुलिस ने कुर्क किया है। अभियुक्त बाबा अजमल शाह के नाम चल अचल सम्पत्ति गाटा संख्या 403 मि0, क्षेत्रफल- 0.099 हे० के अनुसार क्षेत्रफल 0.04950 किमत 113850/- रुपये व गाटा संख्या 506मि०, कुल क्षेत्रफल 0.308 में अंश के अनुसार क्षेत्रफल 0.0513हे0 किमत 117990/- रुपये, कुल अनुमानित किमत 231840/ वा अभियुक्त लवलेश कुमार उर्फ देवमूरत के नाम चल अचल सम्पत्ति- एक अदद मो0सा0 बजाज डिस्कवर यू०पी० 73 डी 1226 किमत 60000/ रुपए पुलिस ने कुर्क किया है।

आधा दर्जन घटनाओं को पचा जाने वाली पुलिस पर नहीं हुई कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

अपराध को न दर्ज करने वाले करारी कोतवाल को निलंबित कर विभागीय जांच कराकर कठोर दंड दिए जाने की मांग

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ी है इलाके में कुछ महीने के बीच एक पुलिस चौकी क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक चोरी की घटनाएं हुई है लेकिन घटना का मुकदमा थाने में नहीं दर्ज किया गया है जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद है और भुक्तभोगी को न्याय नहीं मिल पा रहा है चोरी गए सामान भी नहीं बरामद हुए हैं घटना के खुलासे की बात करना तो पुलिस के लिए दूर की बात है इसके अलावा भी थाना क्षेत्र के अन्य इलाके में कई घटनाएं हुई हैं जिनको पुलिस हजम कर गई है इलाके में अपराध की घटनाओं में तेजी से बाढ़ आई है लेकिन अपराधिक घटनाओं को ना दर्ज करके थानेदार पुलिस अधिकारियों को लगातार गुमराह कर वाहवाही लूट रहे हैं संगठित अपराध के धंधे भी करारी थाना क्षेत्र में तेजी से पनप रहे हैं जिन पर करारी थाना पुलिस अंकुश नहीं लग पा रहा है अपराध की घटना को न दर्ज करने वाले वाली करारी पुलिस पर अभी तक आला अधिकारियों ने कठोर कार्रवाई नहीं की है करारी थाना थानेदार और उनके अधीनस्थ मनमानी तरीके से कानून व्यवस्था चलाना चाहते हैं जिससे पुलिस वर्दी शर्मसार हो रही है इलाके के लोगों ने पुलिस अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए अपराध को न दर्ज करने वाले करारी कोतवाल को निलंबित कर विभागीय जांच कराकर कठोर दंड दिए जाने की मांग की है।

प्रदेशीय शूटिंग प्रतियोगिता में कौशाम्बी का दबदबा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। प्रदेशीय राइफल/पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता 2022 जो जनपद मेरठ में 24,25,26 सितम्बर को आयोजित थी उसमे प्रयागराज मण्डल के कौशाम्बी जनपद का दबदबा रहा प्रतियोगिता में धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार की ज्योति मौर्य,यश जायसवाल शेफा फातमा,खुशबू देवी,रेशमा देवी तथा धनपत्ती देवी श्याम नारायण इण्टर कॉलेज थुलगुला की साक्षी देवी,सौरभ कुमार वैभव कुमार तथा महक चौधरी ने स्वर्ण/रजत पदक प्राप्त कर राष्ट्रीय राइफल/पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में अपना चयन सुरक्षित किया जनपद कौशाम्बी में अब यह समस्त 09 प्रतिभागी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे इस आशय की जानकारी संतोष कुमार मिश्र जिला

प्रतियोगिता में चयनित छात्राओं को माल्यार्पण करते शिक्षक

विद्यालय निरीक्षक कौशाम्बी ने दिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता हेतु शुभकामना प्रदान किया। प्रतिभागियों के वापस ट्रेन से आने पर डॉ0रामकिरण त्रिपाठी तथा वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय दोनों प्रधानाचार्य तथा जिला खेल सचिव श्याम लाल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया` तथा उनकी इस सफलता के साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु निरंतर प्रयासरत रहने हेतु निर्देश प्रदान किया पूर्व क्रीडा सचिव चन्द्रभूषण पाण्डेय प्रधानाचार्य धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार तथा प्रधानाचार्य धनपत्ती देवी श्याम इण्टर कॉलेज ने समस्त विजेता प्रतिभागियों को शुभकामना साधुवाद प्रदान करते हुए भरोसा जताया है कि आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में समस्त प्रतिभागी जनपद का नाम अवश्य रोशन करेंगे ।

कोर्ट से फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। जमानत खारिज होने के बाद कोर्ट से फरार आरोपी को मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर फिर से कोर्ट में पेश कर दिया है बताते चलें कि चरवा क्षेत्र के सुधवर गांव निवासी शिवानंद पांडेय पुत्र इंद्रपाल पांडेय का पड़ोसी दिलीप पांडेय पुत्र नर्मदा पांडेय से जमीन के क्रय-विक्रय में दो लाख रुपये का विवाद था। दो माह पहले शिवानंद के खिलाफ चरवा थाने में दिलीप पांडेय ने धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। तभी से वह वांछित था। बुधवार को वह सिविल न्यायालय में आत्मसमर्पण कर जमानत की फिराक में था। आरोपित की तरफ से अधिवक्ता ने बेल दाखिल किया, लेकिन बेल खारिज हो गई। मुलजिम को सीजेएम कोर्ट में रिमांड के लिए भेजा गया था। इस बीच वह सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी के फरार होते ही महकमे में हड़कंप मच गया और फरार आरोपी को पुलिस तलाश करने लगी 24 घंटे के भीतर मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने फरार आरोपी को फिर से गिरफ्तार कर लिया है और उसे कोर्ट में पेश कर दिया है।

मूर्ति विसर्जन जुलूस में नहीं बजेगा डीजे : एसओ

अखंड भारत संदेश

डीजे संचालकों के साथ हुई मीटिंग

कौशाम्बी। कोखराज कोखराज थाना परिसर में डीजे संचालकों के साथ कोतवाल ने गुरुवार को एक बैठक कर दुर्गा पूजा के त्योहार में मूर्ति विसर्जन पर डीजे नही बजाने की सख्त चेतावनी दी उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन में केवल दो साउंड बॉक्स बजा सकते हैं ।दुर्गा मूर्ति को सकुशल संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को डीजे कमेटी की बैठक हुई बैठक में उपस्थिति सभी लोगों से विसर्जन पर्व के दौरान शांति के साथ धीमी गति से साउंड की आवाज को बजाने को कहा गया सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन तैयारी कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार दुर्गा प्रतिमा विसर्जन पर दो साउंड बॉक्स(हार्न) बजाने की अनुमति दी गई है मूर्ति विसर्जन में डीजे का प्रयोग नहीं होगा छोटे साउंड हार्न मान्य होंगे अश्लील गाना बजाने की शिकायत पर संबंधित डीजे मालिक पर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा और मूर्ति विसर्जन के समय कोई भी विवाद न हो एसओ तेज बहादुर सिंह चंदेल ने सभी डीजे संचालकों से शासनादेश व कानून को ध्यान में रखते हुए कहा कि कोई डीजे संचालक यदि मना करने के बाद भी बजाता हैं तो उसका डीजे सीज कर डीजे मालिक के ऊपर मुकदमा दर्ज किया जाएगा एसओ ने निर्देशित करते हुए कहा कि किसी प्रकार की गलतियां क्षम्य नहीं होगी इस मौके पर इलाके के ग्राम प्रधान व डीजे संचालक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

मूरतगंज क्षेत्र के चिटकहना गांव में लगा गंदगी अम्बार

हर्रायपुर कौशाम्बी। भरवारी नगर पालिका क्षेत्र मूरतगंज अन्तरगत वार्ड नं18 चिटकहना में गंदगी का अंबार लगा है जिससे ग्रामीणों को तरह-तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है नाला निर्माण करवाने के लिए नगर

पालिका परिषद में कई बार ग्रामीणों ने गुहार लगाई लेकिन ग्रामीणों की सुनवाई नहीं हुई जिससे ग्रामीणों में नगर पालिका परिषद भरवारी मूरतगंज जोन के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त है ग्रामीणों की मांग है कि एक नाले का निर्माण कराया जाए जिससे पानी निकल पाए नगर पालिका के जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते सफाई कर्मी भी इस वार्ड में सफाई करने नहीं आते है जिससे वार्ड में गंदगी का अम्बार लगा हैं नगरपालिका के जिम्मेदारों के नियंत्रण में सफाई कर्मी नहीं रह गए हैं जिसका खामियाजा वार्ड की जनता भुगत रही है।

हर्रायपुर चौकी इंचार्ज ने हमराहियों के साथ किया गस्त

हर्रायपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के अंतर्गत हर्रायपुर चौकी इंचार्ज राकेश राय ने हमराहियों के साथ क्षेत्रीय भ्रमण किया है पुलिस टीम ने इलाके में शांति व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से नरवरपट्टी

शोभना बसेड़ी हर्रायपुर सहित विभिन्न गांव में भ्रमण किया और दुर्गा पंडालों में स्थापित मूर्ति कमेटियों के पदाधिकारियों से वार्ता की और उनसे शांतिपूर्ण तरीके से शासन के निदेर्शों के अनुसार पूजा करने के लिए कहा है उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश के विपरीत किसी प्रकार का कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विहिप नेताओं के थाने में धरना के बाद दर्ज हुआ मुकदमा

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र की एक बालिका को 5 दिनों पूर्व बाजार से कुछ युवक उठा ले गए थे मामले की तहरीर पुलिस को पीड़ित परिजनों ने दी थी लेकिन पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया जिसकी जानकारी मिलते ही गुरुवार को दर्जनों विहिप नेता चरवा थाने पहुंचे थाने में नेताओं के पहुंचने के बाद पुलिस ने आरोपी युवक और उसके साथियों के विरुद्ध बालिका को भगाने के मामले में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है बताया जाता है कि धर्म परिवर्तन कराकर बालिका की शादी करने का प्रयास आरोपी कर रहे है।

सिराथू पावर हाउस के पास रेलवे ट्रैक पर मिला शव

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू पावर हाउस के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला है सूचना पर जीआरपी चौकी इंचार्ज रामकुमार मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है रेलवे ट्रैक पर मिले शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

कई महीने पूर्व रजिस्ट्रेशन पत्रावली गायब करने वाले लिपिक पर एआरटीओ मेहरबान

कौशाम्बी। योगी सरकार में भी भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश नहीं हो रहा है चारों तरफ अधिकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं ताजा मामला एआरटीओ कार्यालय में एक स्कूल वाहन के पंजीकरण से संबंधित है वाहन के रजिस्ट्रेशन के मूल पत्रावली विभाग में मौजूद नहीं है कई महीने से विभाग की पत्रावली को खोजने का झूठा प्रयास हो रहा है वाहन के रजिस्ट्रेशन में पत्रावली गायब करने वाला लिपिक जब कारवाही में फसने लगा तो फोटोस्टेट कागजात लगाकर वाहन की फर्जी पत्रावली तैयार कर दी मामले की शिकायत एआरटीओ से 3 महीने से हो रही है लेकिन उसके बाद भी दोषी लिपिक पर मुकदमा दर्ज करा कर विभागीय कार्यवाही एआरटीओ ने नहीं शुरू कराई है जिससे एआरटीओ की भी मंशा पर सवाल उठने लगे हैं बिना मूल अभिलेखों के वाहन का रजिस्ट्रेशन कैसे कर दिया गया है लेकिन 3 महीने बीत जाने के बाद भी संबंधित वाहन की पत्रावली के मूल अभिलेख एआरटीओ कार्यालय के कर्मचारी नहीं खोज सके हैं एआरटीओ कार्यालय के लिपिक से सांठगांठ कर फर्जी तरीके से वाहन का पंजीकरण कराने का आरोप वाहन स्वामी पर लगा है मामले में एआरटीओ कार्यालय में पलने वाले दलालों की भी भूमिका सवालों के घेरे में है एआरटीओ कार्यालय में पूरे दिन दलालों का दबदबा रहता है इस बात की गवाही एआरटीओ कार्यालय का सीसीटीवी कैमरे दे रहे हैं लेकिन फिर भी एआरटीओ मूक दर्शक बने हैं तीन महीने पहले भरवारी कस्बे के एक व्यक्ति ने मामले की शिकायत एआरटीओ से की थी जिस पर एआरटीओ ने संबंधित लिपिक से पत्रावली पेश करने का निर्देश दिया लेकिन लिपिक पत्रावली खोज कर एआरटीओ के सम्मुख नहीं प्रस्तुत कर सके हैं मामले में कर्मचारियों की लापरवाही कहें या फिर अभिलेखों में हेरा फेरी कर फर्जी तरीके से वाहनों में गलत स्वामियों के नाम हस्तानांतरण कर उनके पंजीकरण के मामले में जांच से बचने के लिए साजिश के तहत पत्रावली गायब हुई है मामला बेहद गंभीर है और इस मामले में परिवहन आयुक्त ने जांच कराई तो वाहन स्वामी के साथ-साथ विभाग के संबंधित लिपिक और तत्कालीन एआरटीओ पर मुकदमा दर्ज हो सकता है सूत्रों की मानें तो वाहन स्वामी पश्चिम शरीरा क्षेत्र का एक स्कूल संचालक है और वाहन को बगैर स्कूल की मान्यता के फर्जी नामों से पंजीकृत कर दिया गया है जिस पर फर्जी अभिलेखों के सहारे वाहन को एआरटीओ कार्यालय में पंजीकरण कराए जाने का आरोप है मामले में संबंधित लिपिक की भी भूमिका सवालों के घेरे में है विभाग में वाहन पंजीकरण की फाइल न मिलने के बाद वर्तमान एआरटीओ दोषियों को बचाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं जिससे उनकी भी भूमिका सवालों के घेरे में है।

किसानों, गरीबों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए हित में हमेशा करता रहूंगा संघर्ष : अजय सोनी

अखंड भारत संदेश

जन समस्यायों के समाधान को लेकर सकिपा कार्यकताओं ने सड़क पर उतरकर किया प्रदर्शन, नारेबाजी कर सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। किसानों, गरीबों एवं आम जनता की समस्यायों को लेकर समर्थ किसान पार्टी के सैकड़ों कार्यकताओं ने बुधवार को सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी करते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को जिला पंचायत परिसर में जिलेभर से सैकड़ों की तादात में समर्थ किसान पार्टी के कार्यकर्ता इकठ्ठे हुए। कार्यकताओं के हुजूम से जिला पंचायत कार्यालय के बाहर गहमागहमी मची रही। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने जिला पंचायत परिसर में धरना दिया और सभा की। सभा को संबोधित करते हुए पार्टी नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने कहा कि आज किसान, गरीब, बेरोजगार युवा सभी परेशान हैं। लोगों को रोजी रोटी के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। इसी के साथ अजय सोनी ने कहा कि मैं किसानों, गरीबों एवं बेरोजगारों युवाओं के हित में मैं हमेशा संघर्ष करता रहूंगा। इसके बाद सैकड़ों कार्यकताओं

ने जुलूस की शक्ल में जिला पंचायत परिसर से कलेक्ट्रेट की तरफ कूच किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जुलूस निकालने एवं कलेक्ट्रेट की ओर जाने से रोकने का प्रयास किया। लेकिन क्रांतिकारी कार्यकताओं ने रुकने से इंकार कर दिया। जैसे ही जिला प्रशासन को इसकी भनक लगी तुरंत अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राजेश श्रीवास्तव डायट मैदान पहुंचकर पार्टी कार्यकताओं से ज्ञापन लिया और समुचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। सौंपे गए ज्ञापन में आवारा पशुओं की धरपकड़ कराने, देवखरपुर एवं बसोहनी समेत जिले के सभी निमार्णाधीन गौशालाओं के अधूरे निर्माण को पूरा कराकर चालू कराने, गौशालाओं में संरक्षित गौवंशों के चारे पानी की समुचित व्यवस्था करने, 30 रू रोजाना के बजाय 70 रू रोजाना प्रति गौवंश खर्च करने, भारी बरसात से किसानों की फसलों के हुए नुकसान का मुआवजा देने, कच्चे मकानों के भारी बारिश में जमींदोज होने पर नए आवास प्रदान करने, जमीनों के सर्किल रेट में की गई बढ़ोत्तरी वापस लेने एवं सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से प्रति माह प्रति परिवार दो लीटर मिट्टी का तेल देने जैसी 8 मांगे शामिल थीं। इस अवसर पर प्रेमचंद केसरवानी, जयलाल चौधरी, मनोज सोनी, फूलचंद्र लोधी, शैलेंद्र मिश्रा, विजय शुक्ला, अखिलेश विश्वकर्मा, सुरजीत वर्मा, शिव शंकर दुबे, रमाकांत प्रजापति, संजय चौधरी, शिव रतन सरोज, संजय सरोज, आर डी गर्ग, राकेश चौधरी, शिव सिंह पटेल, कल्याण सिंह, महेंद्र रावत, जुम्मन अली, शफीक अहमद आदि मौजूद रहे।

मंडल रेल प्रबंधक के आदेश के बाद भी नही जागा स्थानीय रेल विभाग

अखंड भारत संदेश

नवरात्रि के त्योहार पर लगता है जाम लोगो में आक्रोश तत्काल आम रास्ते को खुलवाने का किया अनुरोध

भरवारी कौशांबी। नगर पालिका परिषद भरवारी में वर्षो से रेल यात्रियों आम लोगो बुजुर्ग बच्चो के लिए रेलवे की सड़क से सटा हुआ रास्ता खुला था किन्ही कारणों से रेलवे ने रास्ता बंद कर दिया जिससे लोगो को आवागमन में दिक्कतें होने लगी जिससे लोगो में जबरदस्त आक्रोश हैं 'आपको बता दे कि लगभग सैकड़ों वर्ष पुराने यात्रियों के आने जाने वाले प्रमुख मार्ग को क्यों बंद कर दिया गया इसकी जानकारी किसी को नही है लोगो का आरोप है कि नगर पालिका भरवारी के रेलवे स्टेशन को जाने वाले आम रास्ते को बंद कर देने से जहा रेल यात्रियों को अपनी गाड़ी लेकर आने जाने में काफी परेशानी हो रही है वही गेट बंद होने पर लोग घंटो जाम में फस जाते है जिसकी प्रमुख वजह उक्त रास्ते को बंद करना है। आपको बता दे उक्त बंद रास्ते को खुलवाने के लिए नगर के लोगो ने मंडल रेल प्रबंधक प्रयाग राज से कहा जिस पर तत्काल रास्ता खुलवाने का आदेश भी स्थानीय रेल विभाग को दिया था परंतु आज तक मंडल रेल प्रबन्धक के आदेश के बाद भी रास्ता नही खुला या यह कह लिया जाय कि रेल के उच्च अधिकारी के आदेश का पालन करना यहां के अधिकारी अपनी तौहीन समझते है। इसी संदर्भ में निवर्तमान सभासद मनोज केसरवानी ने लोगो की समस्या को नवागंतुक आर पी एफ चौकी प्रभारी सुरेंद्र पासवान से मिल बंद पड़े रास्ते को खुलवाने के संदर्भ में वार्तालाप किया उस पर उन्होंने अपनी अभिज्ञता जताते हुए कहा चुकी यह मामला मेरे आने से पहले का है अब सवाल उठता हैं की इस बंद पड़े रास्ते से रेल विभाग के कर्मचारी वा कर्मचारी परिवार भी ग्रसित है लेकिन वह सब कैसे कहे आखिर सवाल उठता है कि जो रास्ता जबसे भरवारी स्टेशन बना है तभी से रेल विभाग ने यात्रियों वा आमजनता के लिए इस रास्ते को सुविधा प्रदान की गई थीं तो फिर अब क्यों बंद की गई है इसके पीछे किसी व्यक्ति की गंदी सोच वा गंदी मानसिकता की उपलब्धि होगी लोगो ने मंडल रेल प्रबंधक से मांग की है की इस रास्ते को तत्काल खुलवाने का कष्ट करें।

भरे बाजार चाकू से किया हमला

कोखराज कौशाम्बी। थाना कोखराज क्षेत्र के चाकवन चौराहे के भरे बाजार में एक व्यक्ति पर चाकू से हमला किया गया है जिससे वह गंभीर हालत में लहूलुहान हो गया है दिनदहाड़े हमला देखकर लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है बाजार में अफरा-तफरी मच गई है आनन-फानन में घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है मामले की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुंची है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के जमाल मऊ गांव निवासी सूखी लाल पटेल पुत्र बनवारीलाल पटेल गुरुवार को चाकवन बाजार गए थे इसी बीच अचानक सूखी लाल पटेल पर धारदार हथियार चाकू से पेट में वार कर दिया है जिससे वह मौके पर गिर पड़े चाकू के वार से उन्हें गंभीर चोटें आई हैं उसकी हालत गंभीर बनी हुई हैं सूचना पाकर मौके पर एसओ कोखराज पुलिस बल के साथ पहुंचे हैं आरोपी पड़ोसी गांव का बताया जाता है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

सिस्टम में शामिल सराय अकिल नगर की दुर्दशा में लगे अधिकारी

अखंड भारत संदेश

कमीशन खोरी के लालच में सरकारी धन बर्बाद कर रहे नगर पंचायत के जिम्मेदार

कौशाम्बी। नगर पंचायत सराय अकिल द्वारा नगर क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों की बड़े अधिकारी समीक्षा नहीं कर पा रहे हैं नगर पंचायत सराय अकिल जेसे अनाथ हो गई है और अधिशासी अधिकारी मनमानी पर उतारू है सरकारी धन को देखने वाले भ्रस्टाचार को नजरअंदाज कर रहे हैं कथित भाजपाई भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा देकर कमीशन खोरी में लिप्त हैं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मनमानी कर कमीशन खोरी के लालच में मनमानी तरीके से विकास के बहाने योजनाएं बना रहे हैं जिससे नगर का विकास होता नहीं दिख रहा है बल्कि नगर की समस्याएं बढ़ती जा रही है नगर में बनाई जाने वाली योजनाएं अधिकारियों के साजिश के बाद बर्बाद हो रही हैं नगर पंचायत के अधिकारियों की मंशा है कि यदि योजनाएं बर्बाद होगी तो फिर नई योजना बनाकर सरकारी धन खर्च कर कमीशन खोरी का उद्देश्य दोबारा सफल होगा अधिकारियों की सोची समझी साजिश का खामियाजा नगर की जनता भुगत रही है लेकिन अधिकारियों के गलत कार्यों पर रोक लगाने का प्रयास अभी तक आला अधिकारियों द्वारा नहीं किया गया है आखिर कब तक नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी द्वारा कमीशन खोरी के लालच में सरकारी धन बर्बाद कर नगर की दुर्दशा की योजना बनाई जाती रहेगी आखिर तमाम गंभीर प्रकरण पर अधिशासी अधिकारी पर अब तक मुकदमा दर्ज करा कर इनकी गिरफ्तारी कराया जाना और इनकी संपत्ति को नीलाम कर रिकवरी कराए जाने की कार्रवाई क्यों नहीं हुई है नगर पंचायत सराय अकिल के अधिकारी के कारनामों के आगे पूरी तरह से सिस्टम बेकार साबित हो रहा है अधिकारियों की लापरवाही है या अदूरदर्शिता या फिर उनकी सोची-समझी भ्रष्टाचार बढ़ाने की साजिश का हिस्सा है लेकिन नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी जेई के कमीशन खोरी के बाद साजिश के इस खेल पर आला अधिकारी गंभीर निर्णय लेकर कठोर कार्यवाही नहीं कर पा रहे हैं जानबूझकर सरकारी धन को बर्बाद करना पुराने कार्यों को उपयोग बिहीन दिखा कर नई योजनाएं बनाना अधिकारियों को पत्रावली भेजकर कार्यों की स्वीकृत लेना नगर पंचायत की आदत में शुमार हो गया है सरकारी धन बर्बाद करने वाले अधिशासी अधिकारी के कारनामे को संज्ञान लेते हुए प्रकरण की जांच कराया जाना और दोषी अधिशासी अधिकारी उनके ठेकेदार अवर अभियंता पर सरकारी धन बबार्दी का मुकदमा दर्ज करा कर इनकी गिरफ्तारी करा कर इन्हें जेल भेजने की मांग नगर की जनता ने की है कमीशन खोरी के लालच में सरकारी धन को बर्बाद करने की योजना बनाने वाले अधिशासी अधिकारी अवर अभियंता की गिरफ्तारी इनके दंड में कम होगी इन्हें विभाग की नौकरी से बर्खास्त करते हुए इनकी संपत्ति नीलाम कर सरकारी धन की रिकवरी कराए जाने की जरूरत है लेकिन क्या योगी सरकार में भ्रष्टाचार में लिप्त अधिशासी अभियंता अवर अभियंता के कारनामों पर न्याय पूर्ण कार्रवाई हो पाएगी या फिर सिस्टम के तहत इनके बचाव में कथित भाजपाई उतर आएंगे।

संपादकीय

बेमौसम की भारी बरसात

खेती किसानी अब तुक्का हो गई है, सही सलामत फसल कट जाए तो समझो बड़ी गनीमत है। वरना, कुदरत का प्रकोप उन्हें नहीं छोड़ता। बीते तीन वर्षों से लगातार बेमौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ रखी है। जब फसल पक कर खेतों में खड़ी होती है तभी बारिश हो जाती है और उसे बर्बाद कर देती है। किसान चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। अन्नदाताओं को बेमौसम की बारिश ने एक बार फिर तबाह कर दिया। किसान खेतों में जाकर बर्बाद हुई फसलों को मायूसी भरी निगाहों से देख रहे हैं। तेज बौछारों ने हजारों-लाखों हेक्टेयर फसल चौपट कर दी। कई महीनों की मेहनत पर क्षण भर में पानी फिर गया। अपने खेतों में बेचारे असहाय खड़े होकर कुदरत के कहर से बर्बाद होती फसलें देखते रहे। किसानों के लिए उनकी फसलें नवजात शिशु समान होती हैं जिसे वह छह महीने अपनी औलाद की तरह पालता-पोसता है। जब यही फसल नुमा बच्चे उनकी आंखों के सामने ओझल हो जाएं, तो उनके दिल पर क्या गुजरती होगी। सितंबर के अंत में अधिक वर्षा होना निश्चित रूप से खेती किसानी के लिए हानिकारक होता है। इस वक्त धान की फसल अधकच्ची खेतों में खड़ी होती है। कई जगहों पर तो पक चुकी होती है। मौसम वैज्ञानिकों ने फिलहाल मौजूदा बरसात का कारण पश्चिमी क्षेत्र के ऊपरी भाग में बहती चक्रवाती हवाओं को बताया है। बहरहाल, समूचे देशभर में लगातार पिछले सप्ताह हुई तीन दिनी तेज बारिश ने फसलों को जमीन पर बिछा दिया है। जब तक उठेंगी, तब तक बालियों के दाने सड़ चुके होंगे। धान के अलावा इस वक्त गन्ना भी खेतों में पका खड़ा है, वह भी बरसात और ओलावृष्टि से बर्बाद हुआ है। तराई जैसे कई जिलों में खेतों के भीतर पानी लबालब भरा हुआ है। निचले इलाकों में तो बाढ़ जैसे हालात बने हुए है, वहां सब्जियां और कच्ची फसलें खेतों में ही सड़ने लगी हैं। मूली, मूंगफली, पालक, गोभी का तो नामोनिशान मिट गया। विशेषकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश जैसे इलाकों में हालात बद से बदतर हुए हैं। दरअसल, ये ऐसे राज्य हैं जहां दूसरी फसलों के मुकाबले धान की फसल इस मौसम में बहुतायत रूप से होती है। पंजाब को जैसे धान का कटोरा कहते हैं, तो वहीं तराई क्षेत्र समूचे हिंदुस्तान में धान उगाने के लिए प्रसिद्ध है। दोनों जगह बरसात ने फसलों को तबाह कर दिया है। फिलहाल नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकारों ने प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण करना शुरू कर दिया है, जांच टीमों को भेजा जाने लगा है। शासनादेश पर प्रदेश स्तर पर जिला प्रशासन भी मुस्तैद हो गए हैं। फाइनल रिपोर्ट मिलने के बाद मुआवजे देने की प्रक्रिया आरंभ होगी। पर, सवाल उठता है कि क्या मुआवजे से किसानों के नुकसान की भरपाई हो पाएगी, शायद नहीं। सबको पता है कितना मुआवजा मिलेगा, शायद नाममात्र का? अगर याद हो तो बीते वर्ष भी इसी मौसम में बेहिसाब बारिश ने किसानों को बेहाल किया था। पता नहीं खेती किसानी पर किसी की नजर ही लग है। क्योंकि कृषि क्षेत्र पर वैसे ही संकट के बादल छाए हुए हैं और बेमौसम बारिश ने संकट और गहरा दिया। ऐसी स्थितियों में किसानों को समझ नहीं आता वो करे तो क्या करें?

दुनिया अच्छे लोगों की चुप्पी से पीड़ित

प्रियंका सौरभ

नैतिकता मानवता का सबसे बड़ा गुण है और हमें केवल पशु अस्तित्व से अलग करती है। जब मनुष्य को एक अच्छे और बुरे कार्य के बीच चयन करने की दुविधा का सामना करना पड़ता है तो नैतिक संकट हो जाता है। यदि कोई नैतिक व्यक्ति अत्याचार को देखता और पहचानता है और फिर भी हस्तक्षेप करने में विफल रहता है तो वह स्वयं अपराधियों के समान ही जिम्मेदार होता है। यदि वह गलत काम करता है, तो वह अनैतिक हो सकता है, लेकिन नैतिक साधन होने के कारण, उसका कोई मूल्य नहीं है और इसलिए उसे सुधारा या बचाया नहीं जा सकता है। तटस्थता कहने का एक और तरीका हैः जब आप फर्क कर सकते थे तो खड़े रहें और कुछ न करें। किसी भी क्षेत्र, किसी भी क्षेत्र या क्षेत्र में निष्क्रियता बहुत हानिकारक हो सकती है। यूएनएससी के सभी देश यूक्रेन पर अन्यायपूर्ण युद्ध छेड़ने के लिए रूस के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना एक उदाहरण है। समग्र रूप से मानव-जाति पीड़ित है और फिर भी कोई इसमें शामिल नहीं होना चाहता है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए, आतंकवाद को उखाड़ने में सभी देशों से सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है, फिर भी निष्क्रियता स्पष्ट होती है। नेपोलियन ने जोर देकर कहा है, "दुनिया बुरे लोगों की हिंसा से नहीं, बल्कि अच्छे लोगों की चुप्पी से पीड़ित है।" तटस्थता जिम्मेदारी से बचने के गुण को दशार्ती है। हमारे कार्य हमारे आस-पास को प्रभावित करते हैं और तटस्थ होने के अपने परिणाम होते हैं और तटस्थता के परिणाम की जिम्मेदारी को कभी भी टाला नहीं जा सकता है। विवेक का संकट एक ऐसा समय होता है जब किसी व्यक्ति को यह तय करने में गंभीर कठिनाई का सामना करना पड़ता है कि उसकी कार्रवाई नैतिक रूप से सही है या नहीं। इस अटकल के अलावा सही और गलत के बीच चयन करते समय संकट पूर्वव्यापी में काम कर सकता है।

यह तब होता है जब कोई व्यक्ति पहले कुछ नैतिक रूप से अनुचित या गलत करने के विचार के कारण कुछ दंडात्मक भावनाओं से गुजर रहा होता है। नैतिक दुविधा की यह स्थिति एक अधिक महत्वपूर्ण भावना में भी बदल सकती है। यह तब होता है जब कोई व्यक्ति अंतःकरण की आवाज का पालन न करके नैतिक रूप से गलत कार्य करने से डरता है। आत्म-मूल्य और सिद्धांतों के अनुसार कार्य करना भी अक्सर कठिन हो जाता है। लोग अंततः किसी भौतिकवादी मांग या लालच के लिए अपनी अंतरात्मा की आवाज को ठुकरा देते हैं और इसके विपरीत व्यवहार करते हैं। सांसारिक आवश्यकता और इच्छा के कारण यह क्रिया अंतःकरण और मानव स्वभाव की आवाज को क्षीण करने लगती है।

नारी-शक्ति की पूजा तभी सार्थक जब नारी अपराध रूकें

ललित गर्ग

शारदीय नवरात्र मनाते हुए हम एक बार फिर स्त्री शक्ति के सम्मान के लिये बेटियों एवं महिलाओं के आदर एवं अस्तित्व की बात कर रहे हैं। यह देखना भी दिलचस्प है कि जहां साल में दो बार लड़कियों को महत्व देने के लिए ऐसे पर्व मनाए जाते हों, वहां लड़कियों को दोयम दर्जे का मानने वाले भी बहुत हैं, बालिकाओं और बेटियों के अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने वाले भी कम नहीं है, आये दिन ऐसी घटनाएं देखने और सुनने को मिलती हैं कि किस तरह आज भी बेटियों के साथ बलात्कार, व्यभिचार एवं अत्याचार करने के बाद उन्हें मार दिया जाता है। उत्तराखण्ड की ताजा घटना में सत्ताधारी पार्टी से संबंध रखने वाले एक रिजार्ट के मालिक ने अपने सहयोगियों के साथ मिल कर एक मासूम बालिका के साथ अवैध एवं अनैतिक कृत करने के बाद हत्या कर दी। यों यह घटना आए दिन होने वाले जघन्य अपराधों की ही अगली कड़ी है, भला हमारा नारी को सम्मान देने एवं मां दुर्गा को पूजना कितना अर्थपूर्ण एवं विरोधाभासी है, साफ झलकता है। यहां हमारी कथनी और करनी का फर्क भी साफ नजर आता है, हमारी दूषित सोच एवं विकृत मानसिकता भी उजागर होती है। इसी सप्ताह हमने राष्ट्रीय पुत्री दिवस मनाया। हालांकि, भारत में बेटी दिवस मनाने की एक खास वजह बेटियों के प्रति लगातार बढ़ रहे अपराधों पर नियंत्रण के लिये लोगों को जागरूक करना है। आज भी हमारे समाज की सोच बेटियों को लेकर विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है। बेटी को न पढ़ाना, उन्हें जन्म से पहले मारना, घरेलू हिंसा, उनके मासूम शरीर को नौंचना, दहेज और दुष्कर्म से जुडे.बेटियों के अपराध एवं अत्याचार होना नये भारत, विकसित भारत पर एक बदनुमा दाग है। यह समझाना जरूरी है कि बेटियां बोझ नहीं होती, बल्कि आपके परिवार, समाज एवं राष्ट्र का एक अहम हिस्सा होती हैं, एक बड़ी ताकत होती है। आज बेटियां चांद तक पहुंच गई हैं, कोई भी क्षेत्र हो बेटियों ने अपना दमखम दिखा दिया है और बता दिया है कि वे किसी से कम नही है। इस सबके बावजूद बेटियों को क्यों अपनी हवस का माध्यम बनाया जाता है, यह एक बड़ा प्रश्न नवरात्र जैसे पर्व मनाते हुए हमारे सामने खड़ा है। उत्तराखण्ड की ताजा घटना में समाज में रसूख के बूते अपनी धौंस जमाने वाले कुछ लोग महज मनमानी के लिए किसी बेटी के साथ अत्याचार एवं अनैतिक काम करने से नहीं हिचके। जिस लड़की की हत्या कर दी गई, वह अपने परिवार की आर्थिक हालत की वजह से भी नौकरी करने के लिये घर से निकली थी। मगर उसकी योग्यता और मेहनत की कद्र करने के बजाय रिजार्ट के मालिक ने उसे अवैध और अनैतिक काम में झोंकने की कोशिश की। ऐसा हर जगह बेटियों के साथ हो रहा है। जाहिर है, लड़की ने मना किया, मगर आरोपों के मुताबिक, इसी वजह से रिजार्ट के मालिक ने उसकी हत्या कर दी। यों यह घटना आए दिन होने वाले जघन्य अपराधों की ही अगली कड़ी है, मगर यह सत्ता और समाज के उस ढांचे को भी सामने करती है, जिसमें महिलाओं की सहज जिंदगी लगातार मुश्किल बनी हुई है, संकटग्रस्त एवं असुरक्षित है। यह घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की भी धज्जियां उड़ाती है। इस घटना ने समूचे प्रशासन और पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाया है। हालत यह है कि अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने या फिर रसूखदार आरोपियों को बचाने की मंशा से सही समय पर कार्रवाई करने को लेकर भी टालमटोल की गई है। गौरतलब है कि मुख्य आरोपी रिजार्ट का मालिक भाजपा नेता और पूर्व राज्यमंत्री का बेटा है और उसका भाई भी उत्तराखंड में अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष था। हर जगह बेटियों के साथ रसूखदार लोगों के द्वारा होने वाले अत्याचारों पर प्रशासन एवं पुलिस की शिथिलता एवं लापरवाही देखने को मिलती है। उत्तराखण्ड की घटना में भी ऐसा ही हुआ। दरअसल, घटनाक्रम को लेकर अगर लोगों के बीच आक्रोश नहीं फैलता तो शायद पुलिस आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करती, मामले को दबा देती। मार डाली गई लड़की के पिता ने आरोप लगाया कि उन्होंने बेटी के लापता होने की सूचना राजस्व पुलिस को दे दी थी, मगर उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। जबकि सूचना के तुरंत बाद प्रशासन को सक्रिय होना चाहिए था। क्या इसकी वजह आरोपियों का स्थानीय स्तर पर रसूखदार होना और सत्ताधारी पार्टी से संबंध होना है?

भले ही घटना के तूल पकड़ने के बाद भाजपा ने इन दोनों को पार्टी से निकालने की औपचारिकता निभाई, मगर राज्य में कोई लड़की घर से बाहर सुरक्षित महसूस करे, इसकी फिक्र फिलहाल नहीं दिख रही। शर्मनाक यह है कि हत्या से सबंधित तथ्य उजागर होने के बाद भी मुख्य आरोपी के पिता ने अपने बेटे को सीधा-सादा बालक बताया! एक राष्ट्रीय पार्टी के किसी नेता की यह कैसी संवेदनहीनता है?

बेटियों एवं नारी के प्रति यह संवेदनहीनता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में बेटियों को लेकर गलत धारणा है कि बेटियां परिवार पर एक बोझ की तरह हैं। एक विकृत मानसिकता भी कायम है कि बेटियां भोग्य की वस्तु है? भारत में आज से कुछ वर्षों पहले के लिंगानुपात की बात करें तो लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या बहुत कम थी और गर्भ में बेटियों को मारने का चलन चल पड़ा था। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में इस सोच में भारी परिवर्तन भी हुआ है। ज्यों-ज्यों शिक्षित और रोजगारशुदा लड़कियों की संख्या बढ़ी है, उनकी आवाज और ताकत को नेता भी पहचानने लगे हैं। हर राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में औरतों के हितों की बातें करने लगा है।

महिला नेताओं ने भी बेटियों एवं नारी की स्थिति बदलने में बहुत सकारात्मक भूमिका निभाई है। साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत हरियाणा के पानीपत जिले से की थी। इसके बाद भ्रूण हत्या को समाप्त करने व महिलाओं से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर पुरुष मानसिकता में व्यापक परिवर्तन आया है। नरेन्द्र मोदी की पहल पर ही बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

महिला नेताओं ने भी बेटियों एवं नारी की स्थिति बदलने में बहुत सकारात्मक भूमिका निभाई है। साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत हरियाणा के पानीपत जिले से की थी। इसके बाद भ्रूण हत्या को समाप्त करने व महिलाओं से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर पुरुष मानसिकता में व्यापक परिवर्तन आया है। नरेन्द्र मोदी की पहल पर ही बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं

वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

इस तरह नारी एवं बालिका शक्ति ने अपना महत्व तो दुनिया समझाया है, लेकिन नारी एवं बालिका के प्रति हो रहे अपराधों में कमी न आना, एक चिन्तनीय प्रश्न है। सरकार ने सख्ती बरती है, लेकिन आम पुरुष की सोच को बदलने बिना नारी एवं बालिका सम्मान की बात अधूरी ही रहेगी। इस अधूरी सोच को बदलना नये भारत का संकल्प हो, इसीलिये तो इस देश के सर्वोच्च पद पर द्रौपदी मुर्मू को आसीन किया गया हैं। वह प्रतिभा पाटिल के बाद देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं।

अमेरिका आज तक किसी महिला को राष्ट्रपति नहीं बना सका, जबकि भारत में इंदिरा गांधी तो 1966 में ही प्रधानमंत्री बन गई थीं। असल में, यही तो स्त्री शक्ति की असली पूजा है। अब स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, सह-अस्तित्व

नैतिकता की पटरी से उतरती राजनीति

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है,किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा मैं नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है,और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी ,बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने मैं कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।

विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे राजनीति थोड़ी साफ सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है,और देश के विकास को भी बल मिलता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति लोगों को विधानसभा या लोकसभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए, जिससे उनका राजनीति में प्रवेश प्रतिबंधित हो सके। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरूआत अधिक धन के संचालित होती है। इसीलिए सभी राजनीतिक दलों के प्राप्त चंदे को ऑडिट के दायरे में लाना जाकर लाया जाना चाहिए, ताकि नैतिक चंदे से राजनीति भी नैतिक हो सके। सदनों की नियमावली में परिवर्तन करते हुए सूचना के अधिकार के अंतर्गत जिसमें पार्टियों की गतिविधियां भी आर,टी,आई के दायरे में लाई जा सके। जिससे राजनीतिक पारदर्शिता को बल मिलेगा। हाल ही में भारतीय संसद की निष्पादन क्षमता में भारी कमी आई है, क्योंकि प्रत्येक राजनीतिक दल संसद का प्रयोग राजनीतिक लाभ के लिए करने लगे हैं, इसीलिए नियमावली में परिवर्तन के साथ इस पर लगाम लगाई जानी चाहिए। इससे राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो। प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि "मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है"

आओ घरों को टूटने से बचाएं

किशन भावनानी

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर, परिवार,संयुक्तपरिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवनजीने उनके फैसलों पर अमल करनें, आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे युवादेश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गोंको नजरअंदाज कर, एकला चलो रे!! वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथ में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने कीतात्कालिक आवश्यकता है इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ घरों को टूटने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फर्क.के साथ साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है। मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी जरूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस!!यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है किआमतौर से अलग होने वाले माता-पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पताही नहीं चलता कि आखिर वजह क्या है इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिजाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेजी से और रातों रात हो रहा है. बल्कि ये बहुत धीरे धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मजबूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते,स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाजा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज्यादा करीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है,हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुजुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुजरते दौर के साथ ये स्थिति और मजबूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मजबूत होते हैं, वो आसानी से खत्म नहीं होते।

आतंक पर प्रहार है पीएफआई पर प्रतिबंध

मृत्युंजय दीक्षित

केंद्र सरकार ने आतंक के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए देश के अंदर रहते हुए देश विरोधी गतिविधियां संचालित करने वाले कुख्यात संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) व उसके सहयोगी संगठनों रिहैब इंडिया फाउंडेशन , कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया इमाम काउंसिल, एनसीएचआरओ, नेशनल वीमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पायर इंडिया फाउंडेशन, रिहैब फाउंडेशन (केरल) को पांच साल के लिए उप्पा कानून के अंतर्गत प्रतिबंधित कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी की गयी सूचना के अनुसार अब राज्य सरकारें भी पीएफआई व उसके सहयोगी संगठनों के सदस्यों व समर्थकों पर बेहिचक कड़ी कानूनी कार्यवाही कर सकती हैं और राज्य स्तर पर भी प्रतिबंध लगा सकती हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से यह अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय है क्योंकि पीएफआई की गतिविधियां दिन प्रतिदिन राष्ट्रघाती होती जा रही थीं । स्मरणीय है कि वर्ष 2012 में जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे उस समय भी एनआईए ने पीएफआई को प्रतिबंधित करने की मांग की थी लेकिन तब मुस्लिम तुष्टिकरण में संलिप्त मनमोहन सरकार ने एनआईए की मांग को दबा दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गजट किये जाने के बाद इस विषय पर दुर्भाग्यपूर्ण राजनीति भी प्रारंभ हो गई है। यह बहुत ही दुखद बात है कि जो संगठन राष्ट्र तथा समाज के लिए खतरा बन गये थे आज उन संगठनों के साथ कांग्रेस, सपा सहित कई सेकुलर दल खड़े दिखाई पड़ रहे हैं। जब पीएफआई व उसके सहयोगी संगठनों के खिलाफ देश की जांच एजेंसियां छापामार कार्यवाही कर रही थीं और लोगों की गिरफ्तारियां की जा रही थीं उस समय भी सेकुलर दलों के यह लोग मुस्लिम तुष्टिकरण के नाम पर उसका विरोध कर रहे थे । पीएफआई पर बैन लगने के साथ ही आज सेकुलर दलों के नेताओं के चेहरों से सारी मुस्कान छिन गयी क्योंकि अब इन दलों के वे सभी षड्यंत्र खुलने जा रहे हैं ।

पत्थर खदाने बन्द होने से सैकड़ों परिवार बेरोजगार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर में पत्थर खदानों के बन्द होने से कामगारों के घरों के चूल्हे ठंडे पड गये हैं। इससे सौ परिवारों के लोग बेरोजगार हो गये हैं। पांच वर्ष से बन्द पडे पत्थर खदान से बेरोजगार मजदूरों के सामने भोजन के लाले पड गये हैं। जंगली फल व पतिया खाने को लोग मजबूर हो गये हैं। गुरुवार को मानिकपुर ब्लाक के सरैंया गांव के विनयघाटी के मजदूरों के ये हाल देखने को मिले। यहां 30-35 वर्षों से पत्थर खदानों में दूर-दराज से आये मजदूर काम करते थे। ऐसे मजदूरों ने खदानों के इर्द-गिर्द अपनी बस्तियां भी बसाकर परिवार

समेत रहने लगे थे। सरकारी आदेश के बाद 2017 में खदानों में रोक लगाने से मजदूर बेरोजगारी के कगार में खडे हो गये हैं। पत्थर खदान बन्द होने से सौ से ज्यादा परिवार बेरोजगार हो गये हैं। हाथों से रोजगार छूटने से उनके परिवार के लोग दाने-दाने को मोहताज हो रहे हैं। ऐसे परिवार सरकार की ओर टकटकी लगाये उम्मीद बांधे हैं कि शायद फिर से खदानें चालू हो जायें। मजदूरों ने बताया कि खदान बन्द होने से नकद मजदूरी बन्द हो गई है। ट्रकों, ट्रैक्टर के साथ पत्थर तोडने वाले औजारों में जंग लग रहा है। कामगार ठाकुर (55) निवासी विनयनगर कालीघाटी ने बताया कि 40 साल पत्थर खदानों से परिवार का पेट भरते थे। पांच सालों से पेट भरने व दवाई-इलाज की समस्या से जूझ रहे हैं। भोला (45) निवासी विनयनगर कालीघाटी ने बताया कि पूरा घर-परिवार खदानों में काम कर ठेकेदार से नकद मजदूरी पाते थे। जरूरत पडने पर एडवांस भी मिलता रहा है। अब काम के अभाव में बेरोजगारी से परेशान हैं।

गयाधाम से लौटे वृद्ध की बस से गिरने से मृत्यु

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। गया धाम से परिवार के साथ लौटे एक वृद्ध की बस से गिरने से मृत्यु हो गई। सडक किनारे घायल पडे वृद्ध को देखकर राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने शव को मर्चरी में रखवाया। वृद्ध के पास मिले आधारकार्ड से परिजनों को सूचना दी तो परिजनों में कोहराम मच गया। ये हादसा रैपुरा थाना क्षेत्र के लालापुर गांव के पास का है। बताया गया कि मप्र के सागर जिले के राहतगढ खैजरामाफी गांव के गजराज (82) पुत्र हल्के सिंह अपनी पत्नी जयबाई व गांव के लोगों के साथ टूरिस्ट बस से गयाधाम 15 सितम्बर को घर से निकले थे। मंगलवार को लौटते समय अचानक चलती बस से गजराज लालापुर गांव के पास बस से गिरने से मृत्यु हो गई।

जनउद्योग व्यापार संगठन महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष बनी शकुन्तला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन/भाजपा नेता/समाजसेवी शानू गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में संगठन की महिला प्रकोष्ठ कमेटी के विस्तार के क्रम में सर्वसम्मति से पार्लर संचालक शकुन्तला गुप्ता को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया। गुरुवार को शानू गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में शकुन्तला गुप्ता को महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष, पूजा गुप्ता को जिला महामंत्री, संध्या गुप्ता को कोषाध्यक्ष, अराधना सोनी को संगठन मंत्री, सांधना पाण्डेय को जिला उपाध्यक्ष, मीना श्रीवास्तव को जिला मंत्री, पुष्पा केशरवानी को नगर मंत्री, जयंती रैकवार का नगर संगठन मंत्री मनोनीत किया। व्यापारी नेता शानू गुप्ता ने कहा कि हर महिला पदाधिकारियों शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से लेकर सुदूर क्षेत्र तक महिलाओं

को संगठन से जोडने का कार्य करें। समाज में हर जरूरतमन्दों की मदद को संकल्पित रहें। मानव सेवा ही सबसे बडा धर्म है। संगठन की जिला वरिष्ठ महामंत्री मंजुला निषाद ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर सम्मान किया। शानू गुप्ता ने सभी को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित कर शुभकामनायें दी। मुख्य संरक्षक सुनील गुप्ता हड्डू दादा व मंडल महामंत्री युवा शेषू जायसवाल, नगर अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने संगठन से जन-जन को जोडने की अपील की। मातृशक्तियों ने भी महिलाओं को जोडने पर विचार व्यक्त किये। विनोद गुप्ता ने अतिथियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया।

निदान टेक्नालाजी ने छात्र-छात्राओं को बांटे प्रमाण पत्र

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ-मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र के नरैनाखेरा अगरहुण्डा, रैपुरा में पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के हुनर से रोजगार के तहत संस्था निदान टेक्नालॉजी प्रालि ने प्रशिक्षण के बाद फूड एण्ड बेवरेज सर्विसेज और फ्रंट आफिस एसोसिएट कोर्स में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र बांटे। गुरुवार को छत्रपति शाहू जी महाराज नरैनाखेरा महाविद्यालय में प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अंजनी कुमार सिंह ने निदान संस्था के तहत कोर्स में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र बांटते हुए कहा कि उत्तीर्ण छात्र अपने कार्य को बखूबी

अंजाम दें। जहां भी रहें खुशहाल भविष्य उनका स्वागत करें। सरदार पटेल इंटर कालेज रैपुरा के प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार सिंह, पूर्व एसआई शिवप्रसाद उपाध्याय व मौजूद अतिथियों तथा संस्थान के शाखा प्रबंधक भरतलाल द्विवेदी ने सभी छात्र-छात्राओं को संबंधित क्षेत्र में रोजगार के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर संस्थान के अनुज कुमार तिवारी, राजेश शुक्ला, प्रीती मिश्रा, रविशंकर शुक्ला, शैलेश मिश्रा, संकेत तिवारी आदि मौजूद रहे।

बडे बकायेदारों से होगी ऋण वसूली: एसडीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने बैंकर्स की आरसी वसूली में रिकवरी की प्रगति की समीक्षा कर तहसीलदार, नायब तहसीलदार को बैंक ऋण वसूली में सहयोग करने तथा बडे बकायेदारों पर कार्यवाही को कहा।

गुरुवार को मानिकपुर तहसील परिसर में हुई बैठक में एसडीएम प्रमेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हाल में कुछ बडे बकायेदारों पर कार्यवाही की गई थी। इससे बैंक ऋण वसूली में प्रगति आई थी।

तहसील के साथ वसूली विजिट की प्लानिंग एवं कार्यवाही करने को नायब तहसीलदार ने वसूली से संबंधित व्हाट्सअप ग्रुप बनाकर सभी बैंक अधिकारियों से जानकारी साझा करने को कहा था।

दुकानों के सामने न खडे करें वाहन: कर्वी कोतवाल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी शहर में यातायात व्यवस्था चैकस रखने की गरज से पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर शहर कोतवाल अवधेश कुमार मिश्रा ने दुकानदारों व शहरवासियों को लाउडस्पीकर से एनाउंस किया कि अपनी-अपनी दुकानों के सामने से तत्काल अतिक्रमण हटा लें। ऐसा न करने पर जुमार्ना के साथ विधिक कार्यवाही की जायेगी।

गुरुवार को शहर कोतवाल अवधेश कुमार मिश्रा ने शहर में लाउडस्पीकर से एनाउंस कराते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। उन्होंने दुकानों के आगे खडे वाहनों के मालिकों को चेतावनी देते हुए कहा कि दुकान के सामने वाहन खडे करने पर कार्यवाही की जायेगी। कोई भी

दुकानदार अपनी दुकान के सामने वाहनों को न खडा करायें। किसी भी दुकान व भवन स्वामी पटरी पर अतिक्रमण पर कडी कार्यवाही की जायेगी। दो दिन के अन्दर सभी दुकानदार व भवन स्वामी पटरी पर किये अतिक्रमण को तत्काल हटा लें। ऐसा न करने पर जुमार्ना के साथ विधिक कार्यवाही की जायेगी। शहर कोतवाल ने स्टेशन रोड, बस स्टैण्ड, सदर रोड, एलआईसी तिराहा समेत सभी इलाकों में दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। कर्वी सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय ने दुकानों के बाहर दुकानदारों व ग्राहकों के वाहन खडा करने से जाम लगता है। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पडता है। दुकानों के आगे कोई भी वाहन खडा न करायें। इससे यातायात बाधित होता है और जाम लगता है। सदर कोतवाल अवधेश मिश्रा ने कहा कि आये दिन जाम की समस्या से पुलिस को गश्त करने और लोगों को आवागमन में समस्या होती है। हिदायत दी कि जो भी दुकानदार अतिक्रमण करेगा और दुकानों के सामने वाहन मिले तो चालान या सीज किया जायेगा।

बीबीएल 2022-23 सीज़न में की जाएगी डीआरएस की शुरूआत

मेलबर्न। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2022-23 सीज़न (पुरुषों और महिलाओं दोनों में) में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) की शुरूआत की जाएगी। पिछले साल कोरोना के कारण अंतरराष्ट्रीय और राज्य की सीमा बंद होने से इस तकनीक को लागू करने की योजना में देरी हुई।

यह पुरुषों की प्रतियोगिताओं के सभी मैचों और महिलाओं की प्रतियोगिता के 24 मैचों के लिए उपलब्ध होगा। बिग बैश के अधिकारियों ने कहा कि भविष्य के सीज़न में अधिक से अधिक डीआरएस कवरेज के लिए प्रयास किये जाएंगे। डीआरएस का इस्तेमाल इंडियन प्रीमियर लीग, द हंड्रेड, पाकिस्तान सुपर लीग, कैरेबियन और बांग्लादेश जैसी लीगों में किया जा रहा था। बीबीएल से इसकी अनुपस्थिति पिछले कुछ वर्षों में एक प्रमुख चर्चा का विषय बन गई थी। लीग के बॉस एलिस्टेयर डॉब्सन ने कहा, लीग दुनिया में सबसे

बेहतरीन क्रिकेट प्रतियोगिताओं के अनुरूप डीआरएस को पेश करके खुश है। कोरोना महामारी के कारण डीआरएस को लागू करना बीबीएल के लिए एक चुनौतीपूर्ण काम रहा है, जो दुनिया में सबसे अधिक जटिल टी 20 लीग है। 13 अक्टूबर को ब्रिस्बेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच डब्ल्यूबीबीएल सीजन का पहला मैच डीआरएस वाला पहला बिग बैश मैच होगा। बता दें कि महिलाओं का बीबीएल 13 अक्टूबर से शुरू होगा, जबकि पुरुष बीबीएल 13 दिसंबर से शुरू होगा और अगले साल 4 फरवरी तक चलेगा।

उप्र के 307 खिलाड़ी 26 खेलों में लेंगे हिस्सा

उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ ने जारी की उत्तर प्रदेश के दल की अंतिम सूची

लखनऊ। अहमदाबाद में गुरुवार से शुरू हो रहे 36वें राष्ट्रीय खेल में उप्र के खिलाड़ी 26 खेलों में हिस्सा लेगी। इस खेल में उप्र का 415 सदस्यीय दल शामिल होगा। इसमें 307 खिलाड़ी हैं। उद्घाटन समारोह में उप्र के दल का ध्वजवाहक ओलंपियन जेवलिन थ्रोअर एथलीट ध्वज वाहक होगी। यह जानकारी उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने दी।

उन्होंने बताया कि 36वें राष्ट्रीय खेल आगामी 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके लिए उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन ने खिलाड़ियों व आफिशियल की अंतिम सूची जारी कर दी। डा. आनंदेश्वर पांडेय ने बताया कि नेशनल गेम्स से पहले विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों का कोचिंग कैंप उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के समन्वय से उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में आयोजित किया गया था, जिससे इन खेलों के लिए उत्तर प्रदेश की टीमों की पुख्ता तैयारी हो सके।

उन्होंने बताया कि दल में शामिल उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय द्वारा प्रदत्त किट की राशि में उत्तर

प्रदेश ओलंपिक संघ द्वारा अपनी तरफ से सहयोग करते हुए सभी को उच्चकोटि की किट प्रदान की गयी है।

डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बात के लिए साधुवाद दिया कि अब राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को आवागमन के लिए रेलवे की एसी थ्री टियर कोच की सुविधा भी मिलेगी। इसके साथ ही प्रतिभावान खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में भर्ती देने के लिए खेल कोटे में दो फीसदी सीटों के आरक्षण देने के लिए भी उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ मुख्यमंत्री का आभार जताता है। वर्तमान में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में खेलों को दी जा रही उत्कृष्ट सुविधाओं के चलते उत्तर प्रदेश में खेलों का कायाकल्प हो गया है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के दल में कुल 307 खिलाड़ी (187 पुरुष, 120 महिला) शामिल है। उन्होंने बताया कि हालांकि राष्ट्रीय खेलों में टेबल टेनिस की स्पर्धाएं हो चुकी हैं, जिसके चलते उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी 25 खेलों में पदकों के लिए दावेदारी करने उतरेंगे। वहीं किन्हीं कारण वश हैंडबॉल को नेशनल गेम्स में जगह नहीं मिल सकी है। इससे पूर्व केरल में 31 जनवरी से 15 फरवरी 2015 तक आयोजित 35वें राष्ट्रीय खेल-2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण, 31 रजत व 30 कांस्य पदक सहित कुल 68 पदक अपने नाम किए थे। 36वें राष्ट्रीय खेल में उत्तर प्रदेश की संभावनाओं के बारे में उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिजीत सरकार ने बताया कि बेहतर तैयारियों के चलते उन्हें उम्मीद है कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ते हुए पहले से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 80 पदक जीत सकते हैं।

राष्ट्रीय खेलों की आज से मचेगी धूम, मीराबाई चानू, प्रणति नायक समेत कई स्टार खिलाड़ी बटोरेंगे सुर्खियां

अहमदाबाद। ओलम्पिक खेलों में भारोत्तोलन स्पर्धा की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू गांधीनगर के महात्मा मंदिर परिसर में सबसे बड़ा ड्रॉ होंगी, जब शुक्रवार को 36वें राष्ट्रीय खेलों की धूम मचेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक भव्य समारोह में गेम्स के शुरू करने की घोषणा के एक दिन बाद नौ और स्पर्धाओं के साथ प्रतियोगिताएं शुरु होंगी। यहां अहमदाबाद सैन्य और राइफल प्रशिक्षण केंद्र में घरेलू पसंदीदा ओलम्पियन इलावेनिल वालारिवन और पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सबका ध्यान आकर्षित करेंगी। जिस दिन निशानेबाजी में तीन स्वर्ण पदक तय होंगे, उस दिन 2012 के ओलम्पिक खेलों के रजत पदक विजेता विजय कुमार की वापसी को भी काफी दिलचस्पी से देखा जाएगा। शुक्रवार का दिन भारोत्तोलन के अलावा, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, तलवारबाजी, जिमनास्टिक, खो-खो, रोलर स्पोर्ट्स, रोइंग और कुश्ती में एथलीटों को भारतीय खेलों में सबसे भव्य मंच पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करेगा। अहमदाबाद में रग्बी 7एस और भावनगर में नेटबॉल में स्वर्ण पदक के मैच भी होंगे। विश्व चैम्पियनशिप के लिए चीन जाने से पहले देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिले, इसलिए उनकी सुविधानुसार टेबल टेनिस स्पर्धाएं पिछले सप्ताह सूरत में आयोजित की गई थीं। अहमदाबाद में कबड्डी, रग्बी 7एस और टेनिस के साथ-साथ भावनगर में नेटबॉल में प्रतिस्पर्धा के शुरुआती चरण कुछ दिन पहले शुरू हुआ था। धोलेरा में लॉन बाउल्स और यहां 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल इवेंट में पहले ही कुछ एक्शन देखा जा चुका है। आईआईटी गांधीनगर में, पुरुषों और महिलाओं के लिए 20 किमी की पैदल चाल स्पर्धा में क्रमशः राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता संदीप कुमार और प्रियंका गोस्वामी की प्रविष्टियां चर्चा की विषय बनी हुई है। कॉमनवेल्थ गेम्स में ट्रिपल जंपर्स एल्धोस पॉल और अब्दुल्ला अबूबकर की सफलता के मद्देनजर जंपिंग पिट पर भी काफी ध्यान लगा रहेगा।

मोटो वॉल्ट इंडिया ने नोएडा में अपने दूसरे शोरूम का किया उद्घाटन

नोएडा । आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया ने नोएडा में अपने दूसरे मोटो वॉल्ट शोरूम का उद्घाटन किया। ग्लोबल मार्किट से प्रेरित होकर, मोटो वॉल्ट अपने कस्टमर को विभिन्न ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स की एक विस्तृत रेंज की पेशकश करेगा, जिसमें विभिन्न प्रकार के फीचर्स और प्राइस पॉइंट होंगे।

ब्रांड की यह नई अत्याधुनिक सुविधा ए-08, लोहिया रोड, ए ब्लॉक, सेक्टर 63, नोएडा, उत्तर प्रदेश 201301 में स्थित है और अर्नव अरोड़ा की लीडरशिप में ऑपरेटेड है। इस फैसिलिटीज को मोटो वॉल्ट अम्ब्रेला के तहत विभिन्न ब्रांडों की सुपरबाइक्स की एक विशाल रेंज को हाइलाइट करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। इसके साथ ही शोरूम मर्चेंडाइज और एक्सेसरीज भी प्रदर्शित करेगा जो कि सभी मोटरिंग आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप शॉप होगा। इस उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, श्री विकास झाबख, मैनेजिंग डायरेक्टर, आदिश्वर ऑटो राइड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, ह्लइस डीलरशिप के उद्घाटन के साथ ही, मोटो वॉल्ट अब भारतीय मोटरसाइकिल के दीवानों को एक ही छत के नीचे तमाम ग्लोबल ब्रांड तक पहुंच प्रदान करेगा। हम अधिक पहुंच और बेहतर कस्टमर सर्विस के साथ, अपने पेट्रोन्स को एक प्रीमियम खरीद और ओनरशिप का बेहतरीन अनुभव भी प्रदान करेंगे।"

इस नए डीलरशिप के उद्घाटन पर टिप्पणी करते हुए मोटो वॉल्ट के डीलर प्रिंसिपल श्री अर्नव अरोड़ा ने कहा, ह्लइस नई फैसिलिटी के उद्घाटन के साथ ही, अब हम लोकल मोटो उत्साही लोगों के सपनों को पूरा करने और उन्हें ग्लोबल ब्रांड्स तक पहुंच प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। इसके अलावा हमारा लक्ष्य अपने तमाम कस्टमर्स को परेशानी मुक्त सेल और सर्विस प्रदान करके एक प्रीमियम एक्सपीरियंस प्रदान करना है।" शुरूआत में मोटो वॉल्ट नोएडा की इस फैसिलिटी समेत पूरे देश में अपने 23 टच प्वाइंट का एक मजबूत नेटवर्क स्थापित करेगा। यह फैसिलिटीज मोटो मोरिनी एवं जोंट्स रेंज की सुपर बाइक को प्रदर्शित करेगी इसके अलावा आने वाले कुछ महीनों में इसमें कई और विश्व स्तरीय ब्रांड्स को भी पेश किया जाएगा।

मोटो वॉल्ट के प्रोफेशनल्स को सेल्स, सर्विस, और कस्टमर एक्सपीरियंस के मामले में सर्वोत्तम पेशकश करने के लिए ग्लोबल स्टैंडर्ड्स और दिशानिदेर्शों के अनुसार प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे ग्राहक अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ, स्ट्रेस-फ्री ओनरशिप का आनंद ले सकेंगे।

जयशंकर ने उठाया वीजा में देरी का मुद्दा, ब्लिंकन बोले- प्रक्रिया की तेज, महामारी को बताया कारण

वाशिंगटन। अमेरिका में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वाशिंगटन डीसी स्थित इंडिया हाउस में थिंक-टैंक और रणनीतिक समुदाय के साथ कई मुद्दों पर बातचीत की। यह जानकारी अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने ट्वीट कर दी।

भारत-अमेरिका संबंध आज दुनिया को प्रभावित करते हैं: एस जयशंकर

जयशंकर ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध आज दुनिया के बाकी हिस्सों को प्रभावित करते हैं। जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि आज हमारे संबंध पूरे विश्व को प्रभावित करते हैं। ऐसे कई देश हैं जो व्यक्तिगत और द्विपक्षीय रूप से बेहतरी के कुछ हिस्से के लिए हमारी ओर देखते हैं, जिसके लिए वे समाधान की उम्मीद करते हैं, जिसे दुनिया कई मायनों में खोज रही है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय परामर्श को ठोस, सकारात्मक और उत्पादक बताते हुए जयशंकर ने इस बात को रेखांकित किया कि यात्रा बहुत आरामदायक थी और उन्होंने अमेरिका में मंत्रियों के साथ कुछ बहुत अच्छी बातचीत की। उन्होंने आगे कहा कि द्विपक्षीय बातचीत को बड़ी वैश्विक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में तैयार किया गया था। भारत और अमेरिका की प्राथमिकताएं कभी-कभी अलग-अलग रही हैं, इसलिए यह बहुत उच्च स्तर का कंवर्जेंस था।

जयशंकर ने उठाया वीजा में देरी का मुद्दा

इससे पहले एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के समक्ष भारत से अमेरिकी वीजा आवेदनों के काफी संख्या में लंबित होने का मुद्दा उठाया। इस पर शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि वह इस मामले के प्रति संवेदनशील हैं और इसे सुलझाने के लिये उनके पास योजना है। ब्लिंकन ने माना, एच-1बी और अन्य कार्य वीजा लेने वालों में भारतीयों का बड़ा हिस्सा है। इनमें से बहुत से आईटी क्षेत्र से संबंधित हैं।

ब्लिंकन ने भारतीय नागरिकों के वीजा आवेदन लंबित होने के लिए कोविड-19

महामारी को जिम्मेदार ठहराया। अमेरिका द्वारा मार्च 2020 में महामारी के चलते दुनियाभर में करीब सभी वीजा आवेदनों पर आगे बढ़ने की प्रक्रिया रोकने के बाद अमेरिकी वीजा सेवाएं अब लंबित आवेदनों के निस्तारण की कोशिश कर रही हैं। दोनों नेताओं ने कहा, प्रतिभा के विकास और आवाजाही को सुगम बनाना भी हमारे पारस्परिक हित में है। हम इस बात पर सहमत हुए कि इस पर आने वाली बाधाओं को दूर किया जाना चाहिए। ब्लिंकन ने वीजा आवेदनों के विलंब पर कहा, हमारे साथ आप भी थोड़ा बर्दाश्त कीजिए। यह अगले कुछ माह में सुव्यवस्थित हो जाएगा, हम इस पर बहुत ध्यान दे रहे हैं। हालांकि जयशंकर ने साझा प्रेसवार्ता में एच-1बी वीजा का जिक्र नहीं किया।

अमेरिकी वीजा चाहने वालों को आज मिल सकते हैं सवालों के जवाब

भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने बताया कि सभी श्रेणियों के लिए वीजा अब खोल दिए गए हैं, लेकिन इच्छुकों की तादाद ज्यादा होने से समय लग रहा है। वीजा चाहने वालों के सवालों के जवाब देने के लिए बृहस्पतिवार को दोपहर तीन बजे का समय निर्धारित किया है।भारत-अमेरिकी रिश्तों को पिछले कुछ दशकों में आकार देने में अहम भूमिका निभाने वाले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि वह इस द्विपक्षीय संबंध को लेकर बहुत आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा, एक राजदूत के बतौर अपने 4 दशक के कार्यकाल में मैंने सबसे बड़ा बदलाव भारत-अमेरिकी संबंधों में देखा है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण 'क्वाड' (चतुर्भुज सुरक्षा संवाद) है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत शामिल हैं। हमने 15 साल पहले क्वाड गठन की कोशिश की थी लेकिन तब यह मुमकिन नहीं हो पाया था, जबकि अब अच्छे से काम कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को और अधिक समावेशी बनाने की जरूरत पर बल दिया। जयशंकर के साथ साझा प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा, जिन चुनौतियों का हम सामना कर रहे हैं, उनसे निपटने के लिए यूएन के सदस्यों को चार्टर पालन के साथ सुरक्षा परिषद को और अधिक समावेशी बनाने सहित संस्थान का आधुनिकीकरण भी करना चाहिए।

दुनियाभर में फैले विरोधियों पर चीन के नजर रखने पर मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

बीजिंग। विदेशों में रहने वाले चीनी नागरिकों की सहायता के नाम पर चीन सरकार के अवैध केंद्र स्थापित करने पर मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि चीन इसकी आड़ में अपने विरोधियों की निगरानी के साथ ही चीनी नागरिकों का उत्पीड़न कर सकता है। इनमें कनाडा और आयरलैंड जैसे विकसित देश शामिल हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में फूजौ पब्लिक सेक्यूरिटी ब्यूरो (पीएसबी) से जुड़े ऐसे कई अनौपचारिक सर्विस स्टेशन स्थापित हैं। इनमें तीन ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में हैं। खुफिया जर्नलिज्म रिपोर्टिका के अनुसार, इन अवैध केंद्रों के जरिये वह कुछ चुनिंदा देशों में चुनावों को भी प्रभावित करता है। फूजौ पुलिस का कहना है कि ऐसे 30 स्टेशन 21 देशों में खोले गए हैं। यूक्रेन,

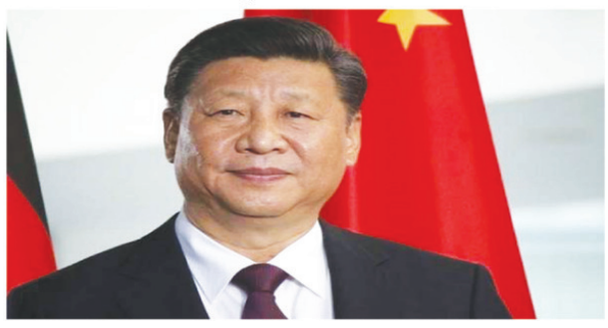

फ्रांस, स्पेन, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देशों में चीनी केंद्रों के लिए ऐसी व्यवस्था है और इनमें से अधिकांश देशों के नेता सार्वजनिक मंचों पर चीन के खराब मानवाधिकार रिकार्ड पर सवाल उठाते हैं और खुद उस मुद्दे का हिस्सा हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि कम्युनिस्ट पार्टी सुरक्षा के नाम पर अपने विरोधियों को प्रताड़ित करने का काम करती है। अगर किसी विदेशी चीनी नागरिक पर शक होता है तो चीन में उसके परिवार को परेशान किया जाता है। चीन सरकार इन अवैध केंद्रों के जरिये निगरानी करती है। संदिग्ध गतिविधि वाले नागरिकों को बलपूर्वक वापस चीन भेज दिया जाता है। ऐसे लोगों को नजरबंदी शिविरों में रखा जाता है।

इस संबंध में इस पर चीन सरकार का कहना है कि वह इन शिविरों में उन्हें व्यावसायिक कौशल को निखारता है। यह उनकी कट्टरपंथी सोच पर नकेल कसकर उनमें सकारात्मक सोच विकसित करना है। चीनी अधिकारी ने 2019 में कहा था कि इन शिविरों में ज्यादातर प्रशिक्षु स्नातक थे। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार मामलों की उच्चायुक्त मिशेल बचलेट ने हाल में इन केंद्रों का दौरा भी किया था।

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने इराक में किया आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमला, 13 लोगों की मौत

ईरान। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने गुरुवार को पड़ोसी उत्तरी इराक के कुर्द क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइलें और ड्रोन से हमले किए, जिसमें 13 लोग मारे गए। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में करीब 58 लोग घायल हुए हैं।ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी और अन्य प्रसारकों ने बताया कि देश के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने उत्तरी ईराक में अलगाववादी समूह के कुछ ठिकानों को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया। कुर्दिश टेलीविजन नेटवर्क रुदाव ने स्थानीय डॉक्टर

के हवाले से बताया कि ईरान के हमले में 13 लोगों की मौत हुई है और 58 घायल हुए हैं। इराकी कुर्द सूत्रों ने कहा कि ड्रोन हमलों ने बुधवार सुबह इराकी कुर्दिस्तान में सुलेमानिया के पास कुर्दों के कम से कम 10 ठिकानों को निशाना बनाया। ईरानी ड्रोन ने कोया के आसपास स्थित सैन्य शिविर, घरों, कार्यालयों और अन्य इलाकों को निशाना बनाया।

चीन के रेस्टोरेंट में भीषण आग, 17 लोगों की मौत

बीजिंग। पूर्वोत्तर चीन के एक रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गयी है। आग की चपेट में आकर 17 लोगों की मौत हो गयी है। आग पर काबू पाने के लिए कई दमकल गाड़ियों को घंटों जूझना पड़ा। जानकारी के मुताबिक चीन के पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलिन प्रांत की राजधानी चांगचुन के एक रेस्टोरेंट में दोपहर 12.40 बजे अचानक तेज आग लग गयी। चांगचुन को वाहन विनिर्माण केंद्र के रूप में जाना जाता है। चांगचुन न्यू एरिया औद्योगक क्षेत्र की प्रबंध समिति की ओर

से जानकारी देते हुए बताया गया कि चांगुचुन के औद्योगिक क्षेत्र के हाई टेक इलाके के एक रेस्टोरेंट में तेज आग लगने की सूचना मिली थी। तुरंत कई दमकल गाड़ियों को भेजा गया, फिर भी 17 लोगों की मौत आग की चपेट में आकर हो गयी। हादसे में घायल तीन गंभीर लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग इतनी भीषण थी कि आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों को आग बुझाने में घंटों लग गए। दमकल की गाड़ियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आग बुझाने का काम तीन घंटे में पूरा किया जा सका। आग इतनी तेज थी कि आसपास कई किलोमीटर दूर तक धुएं का गुबार दिखाई पड़ रहा था।

फ्लोरिडा में इयान तूफान से तबाही, 2 की मौत : 250किमी की रफ्तार से चली हवाएं, सड़कों पर शार्क नजर आई

फ्लोरिडा । अमेरिका के फ्लोरिडा में तूफान इयान ने भारी तबाही मचाई है। इससे फोर्ट मायर्स शहर सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां 250 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली और बारिश हुई। खतरे को देखते हुए 8.5 लाख घरों की इलैक्ट्रिसिटी सप्लाई रोक दी गई। करीब 20 लाख लोग प्रभावित हुए। इसी बीच रिपोर्टिंग कर रहा एक रिपोर्टर लड़खड़ाता हुआ दिखाई दिया। तूफान से हालात इतने भयानक हो गए हैं कि सड़कों पर शार्क भी देखी गई।

सोशल मीडिया पर तूफान से जुड़े कई वीडियो सामने आए। एक वीडियो में जिम कैंटोर नाम का रिपोर्टर फोर्ट मायर्स शहर में बने हालत की रिपोर्टिंग कर रहा था। इसी बीच हवा तेज हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि जिम ने अपना संतुलन खो दिया। वो लड़खड़ाते हुए

दिखाई दिए। उन्होंने कहा- मैं खड़ा नहीं हो पा रहा हूं। हवा बहुत तेज है। उन्हें कुछ पल एक पोल को पकड़कर खड़े देखा गया। फोर्ट मायर्स शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। एक अन्य वीडियो में शार्क दिखाई दी।

नाव में सवार 23 प्रवासी लापता

नेशनल हरिकेन सेंटर के मुताबिक, तूफान फ्लोरिडा के साउथ वेस्ट कोस्ट पर टकराया। तटीय इलाकों में 2 से 7 मीटर ऊंची लहरें उठीं। स्टौक आइलैंड के पास तेज लहरों में एक नाव डूब गई। 23 लोगों के लापता हो गए। नाव में क्यूबा के प्रवासी सवार थे। सूचना मिलते ही अमेरिकी कोस्ट गार्ड लापता लोगों की तलाश में जुट गए।

चीफ पैट्रोल ऑफिसर वॉल्टर स्लोसार ने कहा- समुद्री चक्रवात के कारण नाव डूबने के बाद क्यूबा के 3 प्रवासी तैरकर किनारे पर आ गए थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बाकी लोगों की तलाश जारी है। कैटेगरी 4 के इस तूफान ने 27 सितंबर को क्यूबा के वेस्ट कोस्ट पर दस्तक दी थी। इसके बाद यह फ्लोरिडा राज्य की तरफ बढ़ा था।

25 लाख लोगों को घर खाली करने के निर्देश, कई फ्लाइट्स रद्द

अमेरिकी सरकार ने फ्लोरिडा राज्य में एक हफ्ते के लिए इमरजेंसी घोषित की। करीब 25 लाख लोगों को घर खाली करने के निर्देश भी दिए गए। मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, तूफान कैटेगरी 4 का है और ये खतरनाक रूप ले रहा है।

जॉर्जिया और साउथ कैरोलिना में दो लोगों की मौत की खबर मिली। फ्लोरिडा राज्य से करीब 4 हजार फ्लाट्स रद्द कर दी गई। राष्ट्रीय सुरक्षा बल के 3,200 गार्ड्स को फ्लोरिडा राज्य के अलग-अलग इलाकों में तैनात किया गया। इसके अलावा, 7 हजार नेशनल गार्ड और राहत और सुरक्षा एजेंसियों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया।

ईरान में हिजाब विवाद, पाकिस्तान में एयर होस्टेस को अंडर गारमेंट पहनने की हिदायत

इस्लामाबाद। ईरान में हिजाब की अनिवार्यता के खिलाफ चल रहे महिला आंदोलन, महिलाओं द्वारा विरोध स्वरूप सरेआम खुद के बाल काटने के अभियान के बीच पाकिस्तान में एयर होस्टेस को लेकर चौंकाने वाली खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान एयर लाइंस ने एयर होस्टेस को ठीक से कपड़े पहनने की हिदायत दी है।

पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस 'पीआईए' ने अपने एयर क्रू के लिए सादे कपड़े पहनकर अंडर गारमेंट पहनना अनिवार्य कर दिया है। पाक की नेशनल एयर लाइंस के महाप्रबंधक आमिर बशीर ने एयरलाइन की एयर होस्टेस के ड्रेसिंग पर आपत्ति जताई। इसके

बाद एयर होस्टेस के ड्रेस कोड के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी किए गए।

बशीर ने कहा है कि पाक एयर होस्टेस के एयर लाइंस के दफ्तर में आते वक्त, होटलों में ठहरने के दौरान और दूसरे शहरों की यात्रा के समय अनुचित कपड़े पहनने के बारे में शिकायतें मिली थीं। उचित ड्रेस नहीं पहनने के कारण पीआईए की छवि खराब हो रही है। इसलिए अब महिला परिचारिकाओं की ड्रेस पर नजर रखी जाएगी। उन्हें कहा गया है कि वे पारदर्शी कपड़े पहनते वक्त अंतरवस्त्र अनिवार्य रूप से पहनें, ताकि उनके परिधान आपत्तिजनक न लगें। उन्हें हमेशा उचित ड्रेस पहनना चाहिए। पाक एयर लाइंस का ताजा निर्देश ईरान में गहराते हिजाब विवाद के बीच आया है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने महिला विमान परिचारिकाओं के पहनावे को लेकर किसी तरह के अंदरुनी विवाद से बचने के लिए ये दिशा-निर्देश दिए हैं। पाक एयर होस्टेस का मौजूदा पहनावा भी परंपरागत ही है। फिलहाल पाक एयर होस्टेस तीन रंग की ड्रेस पहनती हैं। ये हैं मशरूम, हरा, और मैरून। सलवार कमीज, दुपट्टा और सिर पर चांद के निशाने वाली काली टोपी। इनसे सिर से लेकर गले व पैरों तक ये ढंकी रहती हैं।

चीन के साथ परस्पर सम्मान के रिश्तों के इच्छुक, भारत के पास अब कई रक्षा विकल्प

वॉशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी 11 दिनी अमेरिका यात्रा के समापन पर वॉशिंगटन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में देश की विदेश नीति को लेकर समग्र विचार रखे। उन्होंने चीन को लेकर कहा कि भारत उसके साथ परस्पर सम्मान, संवेदनशीलता और आपसी हित पर आधारित रिश्ते चाहता है। भारत की रक्षा को लेकर उन्होंने एक समय था, जब हमारे पास विकल्प कम थे, लेकिन आज अनेक विकल्प खुले हैं। जयशंकर ने कहा कि हम अब उन कुछ देशों में से एक हैं, जिनके पास हमारे सामने रक्षा विकल्पों की एक बहुत विस्तृत श्रृंखला है। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को लेकर उन्होंने कहा कि इन्हें हमेशा खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन भारत यह भी जानता है कि ये सुधार आसान नहीं हैं। बता दें, जयशंकर ने अपनी लंबी अमेरिका यात्रा के

पहले चरण के दौरान न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधिवेशन में भाग लिया और विश्व के कई नेताओं से मुलाकात की। दूसरे चरण में वे अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन पहुंचे और वहां विदेशी मंत्री एंटनी ब्लिंकन, रक्षा मंत्री ऑस्टिन, एनएसए जेक सुलिवन समेत कई अमेरिकी नेताओं से आपसी व वैश्विक मुद्दों पर बात की। जयशंकर ने वॉशिंगटन में भारतीय पत्रकारों के एक समूह से कहा कि हम चीन के साथ लगातार रिश्तों में सुधार के लिए प्रयासरत हैं। ऐसा रिश्ता जो आपसी संवेदनशीलता, सम्मान और आपसी हित पर बना हो। चीन का हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कई देशों के साथ क्षेत्रीय विवाद है और वह विशेष रूप से विवादित दक्षिण चीन सागर में अमेरिका की सक्रिय नीति का विरोध करता रहा है। चीन से निपटने को लेकर भारत और अमेरिका की योजना पर किए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दोनों देश हिंद-प्रशांत की बेहतरी व उसे मजबूत बनाने के साझा उद्देश्य रखते हैं।

उन्होंने कहा कि जहां भारतीय और अमेरिकी हित की बात आती है, तो मुझे लगता है कि यह हिंद-प्रशांत की स्थिरता, सुरक्षा, प्रगति, समृद्धि व विकास पर आधारित है। यहां तक कि यूक्रेन के मामले में भी क्योंकि यह युद्ध लंबे समय से लड़ा जा रहा है और वास्तव में यह लोगों के दैनिक जीवन व दुनियाभर में अशांति उत्पन्न कर सकता है। जयशंकर ने कहा कि दुनिया बदल गई है और हर कोई इस बात की सराहना करता है कि कोई भी देश खुद अकेले अंतरराष्ट्रीय शांति और आम लोगों की भलाई की जिम्मेदारी या बोझ नहीं उठा सकता है। जयशंकर ने यह भी कहा है कि समरकंद में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन में जारी युद्ध को लेकर जो टिप्पणी की है, वह इस मुद्दे पर भारत के रुख में परिवर्तन का संकेत नहीं माना जाना चाहिए।

भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने में इनोवेशन की भूमिका महत्वपूर्ण: सीतारमण

नई दिल्ली/बेंगलुरु। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित देश बनाने में इनोवेशन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में डिजिटलीकरण के भीतर असीम संभावनाएं मौजूद है।

वित्त मंत्री ने गुरुवार को कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) की 105वीं वार्षिक आमसभा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि कोरोना महामारी के समय और उसके तुरंत बाद का जज्बा कायम रहता है।

साथ ही देशवासी मिलकर प्रयास करते हैं, तो 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य हासिल करना ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए।

निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वर्तमान समय और साल 2047 के बीच में जो चीजें की जानीं है, उनमें नवाचार यानी इनोवेशन एक कुंजी की तरह काम करेगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

भूकंप के तेज झटकों से कांपा दक्षिण सैंडविच द्वीप समूह, रिक्टर पैमाने पर 7.0 रही तीव्रता

दक्षिण सैंडविच । दक्षिण जॉर्जिया के पास स्थित दक्षिण सैंडविच द्वीप समूह में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। यहां सुबह करीब 8:33 बजे 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की गहराई जमीन से 10 किमी नीचे थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने इसकी जानकारी दी। फिलहाल जान माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। सुनामी की भी कोई चेतावनी नहीं दी गई है।

कैसे आता है भूकंप?

भूकंप के आने की मुख्य वजह धरती के अंदर प्लेटों का टकरना है। धरती के भीतर सात प्लेट्स होती हैं जो लगातार घूमती रहती हैं। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं, तो वहां फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतह के कोने मुड़ जाते हैं।

सतह के कोने मुड़ने की वजह से वहां दबाव बनता है और प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसकी वजह से धरती हिलती है और हम इसे भूकंप मानते हैं।

भूकंप की तीव्रता क्या है?

रिक्टर स्केल पर 2.0 से कम तीव्रता वाले भूकंप को माइक्रो कैटेगरी में रखा जाता है और यह भूकंप महसूस नहीं किए जाते। रिक्टर स्केल पर माइक्रो कैटेगरी के 8,000 भूकंप दुनियाभर में रोजाना दर्ज किए जाते हैं। इसी तरह 2.0 से 2.9 तीव्रता वाले भूकंप को माइनर कैटेगरी में रखा जाता है। ऐसे 1,000 भूकंप प्रतिदिन आते हैं इसे भी सामान्य तौर पर हम महसूस नहीं करते। वेरी लाइट कैटेगरी के भूकंप 3.0 से 3.9 तीव्रता वाले होते हैं, जो एक साल में 49,000 बार दर्ज किए जाते हैं। इन्हें महसूस तो किया जाता है लेकिन शायद ही इनसे कोई नुकसान पहुंचता है। लाइट कैटेगरी के भूकंप 4.0 से 4.9 तीव्रता वाले होते हैं जो पूरी दुनिया में एक साल में करीब 6,200 बार रिक्टर स्केल पर दर्ज किए जाते हैं। इन झटकों को महसूस किया जाता है और इनसे घर के सामान हिलते नजर आते हैं। हालांकि इनसे न के बराबर ही नुकसान होता है।